प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जब तक मनुष्य दूसरे की समृद्धि देखकर जलता रहेगा, वो कभी भी सुख और शांति का अनुभव नहीं कर सकता।

गौर गोपालदास जी

वर्ष-05, अंक - 49 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 07 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

चाहें 'भारत' कहें या 'इंडिया', हम दखल नहीं देंगे- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश को 'इंडिया' या 'भारत' कहकर संबोधित किया जाना चाहिए...? यह सवाल पहली बार नहीं उठा है। वर्षों पहले इससे जुड़ी एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में भी दाखिल हुई थी। उस दौरान अदालत ने नाम चुनने को किसी व्यक्ति का निजी फैसला बताया था। साथ ही दखल देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, कुछ वर्षों बाद जब फिर 'इंडिया' नाम को हटाने की याचिका शीर्ष न्यायालय पहुंची, तो अदालत ने सरकार का रुख करने का सुझाव दिया।

बात वर्ष 2016 की है, मार्च का महीना था और तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टीएस ठाकुर के सामने एक्टिविस्ट निरंजन भटवाल की याचिका पहुंची। इसमें संविधान के अनुच्छेद एक में दर्ज शब्दावली पर सफाई की मांग की थी। उनका कहना था कि, 'इंडिया' शब्द 'भारत' का शाब्दिक अनुवाद नहीं है। याचिका में काह गया था कि इतिहास और ग्रंथों में इसे 'भारत' कहा गया है।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि, 'इंडिया' अंग्रेजों की तरफ से कहा गया था। उन्होंने मांग की थी कि देश के नागरिकों को यह बात साफ होना चाहिए कि उन्हें अपने देश को क्या कहना चाहिए।

ये बोला कोर्ट ने

याचिका पर सुनवाई कर रहे सीजेआई ने कहा था कि, कोई भी नागरिकों को यह निर्देश नहीं दे सकता कि उन्हें अपने देश को क्या कहना चाहिए। सीजेआई ठाकुर ने कहा था, अगर आप इस देश को भारत कहना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें और इसे भारत कहें। अगर कोई इस देश को इंडिया कहना पसंद करता है, तो उसे इंडिया कहने दीजिए। हम दखल नहीं देंगे।

एक और याचिका

वर्ष 2020 में तत्कालीन सीजेआई एसए बोबड़े के सामने भी याचिका पहुंची। इसमें भारत के संविधान के अनुच्छेद एक से 'इंडिया' शब्द हटाने की मांग की गई थी। साथ ही कहा गया था कि देश के नाम में एक समानता होनी चाहिए। सीजेआई ने इस याचिका पर विचार नहीं किया।

उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा था, भारत और इंडिया, दोनों ही नाम संविधान में दिए हुए हैं। इंडिया को संविधान में पहले ही भारत कहा गया है। इसके अलावा सुझाव दिया कि याचिका को रिप्रेजेंटेशन के तौर पर बदलकर केंद्रीय मंत्रालयों को भेजा जा सकता है।

इंडिया गठबंधन नहीं करेगा विशेष सत्र का बायकॉट

नई दिल्ली।

एक तरफ जहां संसद के विशेष सत्र में सरकार द्वारा ताबड़तोड़ बिल लाने की चर्चा तेज है, वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता ने साफ किया है कि, वह संसद के इस सत्र का बायकॉट नहीं करेंगे। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, हमने तय किया है कि हम संसद के विशेष सत्र का बहिष्कार नहीं करेंगे। यह हमारे लिए जनता के मुद्दों को सामने रखने का मौका है और हर पार्टी अलग-अलग मुद्दों को संसद के पटल पर रखने की पूरी कोशिश करेगी।

रमेश ने एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स में कहा, सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि यह सत्र बिना किसी वार्ता के मनमाने ढंग से बुलाया गया है। विशेष सत्र से पहले पार्टियों से बात कर एक कार्य सूची तैयार की जाती है, लेकिन इसकी जानकारी हमारे पास नहीं है। बुलेटिन के विशेष सत्र में पांचों दिन सरकारी बिजनेस की बात लिखी गई है, जो नामुमकिन है। इसलिए, हमने ठाना है कि जो मुद्दे हम पिछली बार नहीं उठा पाए थे, इस बार उठाएंगे।

जयराम रमेश ने बताया कि, संसद के विशेष सत्र की तैयारियों पर ही कल शाम कांग्रेस स्ट्रेटेजी ग्रुप की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता सोनिया गांधी जी ने की। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर इंडिया गठबंधन के सभी फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई। बैठक में तय हुआ है कि हम सदन का बहिष्कार नहीं करेंगे और जनता के जरूरी मुद्दे उठाएंगे।

राष्ट्रपति को संसद भवन के उद्घाटन में नहीं बुलाया, ये ही तो है भेदभाव- उदयनिधि

चेन्नई, एजेंसी।

सनातन धर्म को खत्म करने की वकालत करने पर घिरे उदयनिधि स्टालिन अपनी बात से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे कई बार दोहरा चुके हैं कि मैं अपनी बात पर कायम हूं। उन्होंने कहा कि, यदि सनातन धर्म में भेदभाव है तो फिर उसके खिलाफ मैं बोलूंगा। यही नहीं मीडिया की ओर से भेदभाव का उदाहरण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संसद भवन के उद्घाटन में नहीं बुलाया गया। यह जाति के आधार पर भेदभाव का सबसे ताजा उदाहरण है।

उदयनिधि के बयान पर देश भर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और आरजेडी जैसी कई पार्टियों के नेताओं ने उनकी बात का समर्थन किया है। लेकिन कांग्रेस से लेकर आप तक सभी के हाईकमान ने इससे दूरी बना ली है। यही नहीं टीएमसी की ममता बनर्जी और सपा के रामगोपाल यादव ने तो एक तरह से उदयनिधि को नसीहत दी है कि किसी भी धर्म के बारे में गलत नहीं बोलना चाहिए। वहीं कांग्रेस इस मुद्दे पर बंटी हुई नजर आ रही है। एक तरफ खरगे के बेटे प्रियांक ने भी कहा कि भेदभाव करने वाले धर्म को खत्म कर देना चाहिए तो वहीं दूसरी तरफ कई नेता दूरी बनाते दिखे।

आम आदमी पार्टी के नेता राजेंद्र पाल गौतम ने भी कहा कि, भेदभाव करने वाला धर्म खत्म हो जाना चाहिए। वहीं पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस मसले से दूरी बनाने की कोशिश करते हुए कहा कि मैं भी सनातनी ही हूं। आरजेडी नेता शिवानंद तिवारी ने इस मसले पर बहस और तेज करते हुए कहा कि किस धर्म के संत सिर काटने जैसी बातें करते हैं। सनातन धर्म में दलितों पर अत्याचार होता है। इसमें पिछड़ों की क्या स्थिति है, यह किसी से छिपा नहीं है।

नासा ने आसमान से भेजी चंद्रयान-3 की तस्वीर

नई दिल्ली।

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले अंतरिक्ष यान चंद्रयान-3 की नासा ने तस्वीर भेजी है। नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर इतिहास रचने वाली लैंडिंग के चार दिन बाद 27 अगस्त को तस्वीर खींची। नासा ने चंद्रयान-3 के लैंडर की तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बता दें इसरो का मिशन चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल रहा। इस लैंडिंग के बाद भारत ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया।

चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर 23 अगस्त को उतरा और नासा का लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) चार दिन बाद लैंडिंग स्थल के ऊपर से गुजरा और अपने एलआरओ कैमरे से आसमान से लैंडर विक्रम की तस्वीर क्लिक की।

नासा ने जो तस्वीर शेयर की उसमें चंद्रमा के बनावट वाले परिदृश्य के सामने लैंडर छोटा सा दिखाई दे रहा है। हालांकि, छोटा होते हुए भी विक्रम की मौजूदगी चंद्रमा के सतह पर साफ दिखाई दे रही है। नासा ने लैंडिंग स्थल को एक सफेद मार्क के साथ चिह्नित किया है, और इसके भीतर विक्रम को हल्की घिरी एक अंधेरी छाया में देखा जा सकता है।

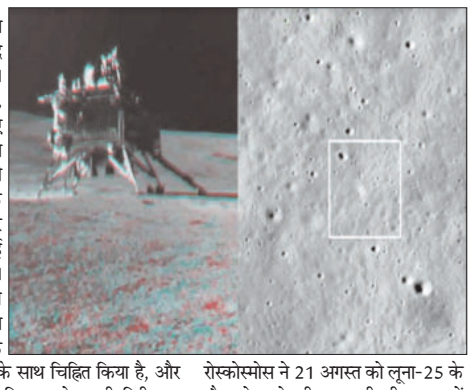

लूना-25 की भी भेजी तस्वीर

कुछ दिन पहले नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने चंद्रमा पर क्रैश हुए रूस के लूना-25 की भी तस्वीर भेजी थी। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने 21 अगस्त को लूना-25 के क्रैश हो जाने की खबर दी थी। नासा में एलआरओ टीमों ने अगले ही दिन साइट की तस्वीरें खींचने के लिए अंतरिक्ष यान को आदेश भेजे। क्रैश से पहले ली गई तस्वीरों और बाद में ली गई तस्वीरों की तुलना करने पर उन्हें एक छोटा सा नया गड्ढा दिखाई दे रहा है। नासा ने दावा किया है कि यह संभवतः लूना-25 का मलबा हो सकता है।

'एक देश, एक चुनाव' की दिशा में एक और कदम

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत में एक साथ पंचायत से पार्लियामेंट तक के चुनाव करवाने की दिशा में सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। हाल ही में इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। इस कमेटी में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी सहित सात लोगों का नाम शामिल है। हालांकि, अधीर रंजन ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है।

राहुल ने किया है विरोध

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' अभियान की आलोचना की है। राहुल ने इसे भारतीय संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला करार दिया है। केंद्र सरकार के एक देश, एक चुनाव अभियान पर राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीट किया, इंडिया, यानी भारत, राज्यों का एक संघ है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार भारतीय संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला है।

विपक्ष के लिए परेशानी वाला मुद्दा

यह मुद्दा विपक्ष को परेशान कर सकता है। अगर एक देश एक चुनाव का नियम लागू किया जाता है तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों के बीच लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए गठबंधन मुश्किल हो सकता है। साथ ही आप और कांग्रेस के बीच पंजाब और दिल्ली में भी तकरार की संभावना होगी। आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश चुनाव में कुछ सीटों पर पहले ही उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है।

अमेरिकी ग्रीन कार्ड का इंतजार करते-करते मर जाएंगे 4 लाख भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका का स्थायी निवासी बनने के लिए ग्रीन कार्ड की होड़ इतनी लंबी है कि करीब 4 लाख भारतीयों को ताउम्र इसका इंतजार करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के 11 लाख आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। वॉशिंगटन डीसी स्थित कैटो इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि 4.24 लाख भारतीयों की जिंदगी ग्रीन कार्ड का इंतजार करने में ही गुजर जाएगी। अमेरिका अपने देश का स्थायी निवासी बनाने के लिए ग्रीन कार्ड जारी करता है। जानकारी के मुताबिक जो 18 लाख ग्रीन कार्ड के आवेदन पेंडिंग हैं उनमें से 63 फीसदी भारतीयों के हैं। जिस हिसाब से आवेदन किए जा रहे हैं और ग्रीन कार्ड देने का जो सिस्टम है उसके मुताबिक बहुत सारे लोगों का वेट टाइम 134 वर्ष का है। जिन 4 लाख 24 हजार लोगों की ग्रीन कार्ड के इंतजार में जिंदगी गुजर जाएगी उनमें 90 फीसदी भारतीय होंगे।

नियम के मुताबिक किसी भी देश को सात फीसदी से ज्यादा ग्रीन कार्ड नहीं जारी किए जा सकते। जब कोई नियोक्ता अपने कर्मचारी के लिए ग्रीन कार्ड का आवेदन करता है तो इसे सीधा वेटिंग लिस्ट में रख दिया जाता है। एक कर्मचारी के साथ उसका परिवार भी ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार करता है। इसीलिए यह संख्या काफी ज्यादा हो जाती है। रिपोर्ट की मानें तो यह ऐसी कतार है जो लाखों लोगों को जीवनभर खड़ा रखेगी लेकिन उनका नंबर कभी नहीं आएगा।

अमेरिका में अपना भविष्य तलाश रहे लोगों के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। कहा जा सकता है कि अमेरिका में कानूनी तौर पर स्थायी निवासी होने का सपना पूरा कर पाना असंभव हो गया है। ग्रीन कार्ड आवेदन करने के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। इस साल रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड का बैकलॉग 18 लाख तक पहुंच गया है। वहीं कई ऐसे भी देश हैं जो कि सात फीसदी का भी कोटा इस्तेमाल नहीं कर पाते। अमेरिका ने नियम के मुताबिक जो कोटा बर्बाद हो जाता है उसका फायदा किसी और देश को नहीं दिया जाता। हाल यह है कि ग्रीन कार्ड ना मिलने की वजह से एक लाख से ज्यादा भारतीय बच्चों को अपने मां-बाप से बिछड़ना भी पड़ सकता है। एच-1बी वीजा के तहत रहने वाले भारतीयों को बच्चे रखने का अधिकार मिलता है लेकिन यह केवल 21 वर्ष तक ही सीमित है। इसके बाद उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ सकता है।

भारत और बांग्लादेश पर पड़ेगा चीन के मेगा बिजली प्रोजेक्ट का असर

ईटानगर, एजेंसी।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन की मेगा बिजली परियोजना को लेकर सवाल उठाए हैं। सीएम पेमा खांडू ने दावा किया है कि चीन की बिजली परियोजना भारत और बांग्लादेश पर असर पड़ेगा। साथ ही उन्होंने जलविद्युत परियोजना को लेकर चिंता भी जताई है।

सियांग नदी पर प्रस्तावित है चीन की मेगा जलविद्युत परियोजना

दरअसल, तिब्बत में सियांग नदी पर चीन की मेगा जलविद्युत परियोजना प्रस्तावित है। कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग ने विधानसभा में शून्यकाल की चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने सियांग घाटी में आने वाली बाढ़ को प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग की। हालांकि, इसके जवाब में सीएम पेमा खांडू ने कहा कि हम इस परियोजना को लेकर चिंतित हैं।

कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग ने उठाया था मुद्दा

इससे पहले कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग ने विधानसभा में कहा था कि सियांग नदी बार-बार अपना रास्ता बदलती है, जिसका असर लाखों हेक्टेयर की खेती पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि चीन के फैसलों के कारण सियांग नदी प्रभावित होती है। जिससे यहां बार-बार बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। इसलिए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर इसे आपदा घोषित नहीं किया जाता है तो उचित कदम उठाए जाएं।

केंद्र ने दिया सियांग नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव

हाल ही में चीन के 60 हजार मेगावाट की बिजली परियोजना को लेकर ब्रह्मपुत्र बोर्ड की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। केंद्र सरकार ने सियांग नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव दिया है। ताकि चीन की गतिविधियों का नदी पर असर न पड़े। सीएम खांडू ने कहा कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट को लेकर एक सर्वे किया जाएगा और इसके बाद केंद्र सरकार अगले कदम पर फैसला करेगी।

नए मार्केट की आस पर पंचायत हुई फ्लॉप, अधिकारी भी नहीं दे रहे ध्यान

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

पंचायत चुनाव को साल भर से अधिक समय बीत जाने के बाद ग्रामवासियों के हत्थे कोई बड़ी सफलता हाथ नही लगी है। चुनाव के दौरान सरपंच प्रत्याशियों ने बडे-बडे वादे किए थे लेकिन डेढ़ साल पूरे होने के बाद जीते हुए सरपंचों ने ग्राम को कोई बड़ी सौगात नही दी। मामला ग्राम पंचायत बामनिया का है जहा लगातार ग्राम की जनता भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जीताती आ रही हैं। दूसरी बार ग्राम पंचायत में जीत कर आई रामकन्या मखोड ने अपने चुनावी वादों में बेरोजगारो के लिए ग्राम पंचायत परिसर में मार्केट बनाकर दुकाने देने का वादा किया था लेकिन चुनाव के बाद बीते समय मे ग्राम पंचायत इस मार्केट के लिए एक ईंट जोड़ने का काम तो ठीक दिखावे का शिलान्यास तक नही करवा सकी। जनता के मुद्दों पर ग्राम पंचायत की ये बेरुखी कही न कही आने वाले विधानसभा चुनावों में मुद्दा बनकर भाजपा प्रत्याशी के सामने होगा जो खुद भी ग्राम पंचायत चुनाव के दौरान प्रचार में आई थी।

दो मंजिला मार्केट और खेल परिसर बनाने का वादा, बस स्टेशन बनाने की थी योजना

ग्राम पंचायत के पास खुली जमीन पड़ी थी, जिस पर दो मंजिला मार्केट लगभग 50 दुकान और तीसरी मंजिल पर खेल परिसर के साथ ग्राम पंचायत की व्यवस्था के कमरे बनने थे। सरपंच बनने के बाद इस मार्केट को लेकर चर्चा शुरू हुई लेकिन बाद में क्या हुआ इसका कोई अता-पता नही है न ही किसी पंच ने इस मार्केट को लेकर आवाज उठाई। इस मार्केट के साथ बस स्टेशन बनने की योजना थी ताकि ग्राम में अव्यवस्थित यातायात से भी लोगो को निजाद मिल सके लेकिन ऐसा कुछ भी नही हो पाया।

ग्राम पंचायत ने की मांग,

प्रशासन दिखा रहा उदासीनता

इस सम्बध में जब ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड से जानकारी ली गई तो उनका कहना है कि, इस मार्केट ओर बस स्टेशन निर्माण को लेकर ग्राम पंचायत से प्रोसेस कर प्रशासन के पास भेज दिया गया लेकिन प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई अनुमति नही मिली हैं। ग्राम पंचायत के साथ-साथ यहां प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की भी उदासीनता दिख रही है, जिन्होंने ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पर कोई निर्णय नही लिया। प्रशासन की ही उदासीनता के कारण कई बार आम जनता के हितों के कार्य समय पर नही हो पाते। बरहाल ग्राम पंचायत के वादे अधूरे है और वो गेंद प्रशासन के पाले में डालकर बचना चाह रहे हैं।

ग्रामीण हो रहे परेशान, नेता और अधिकारी कर रहे मोज

माही की गूंज, काकनवानी।

इस पूरे झाबुआ जिले में एकमात्र पलवाड़ क्षेत्र ऐसा है कि, यहां से चुनाव में खड़े हुए उम्मीद्वारों की हार और जीत का फैसला शहरी क्षेत्र से नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र से होता है। अन्य क्षेत्र में भी चुनाव में हार-जीत का आकलन पलवाड़ क्षेत्र की जनता के द्वारा लगाया जाता है कि, यहां की जनता किस ओर जा रही है, वही पार्टी सभी दूर परचम लहराएगी। लेकिन काकनवानी के इस पूरे क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ पड़ा है। चुनाव के समय नेता लोग आते हैं बड़े-बड़े वादे करके यहां की भोली-भाली जनता को बेवकूफ बनाकर चले जाते हैं। इस क्षेत्र में ना तो बिजली आपूर्ति की सुविधा है और ना ही शुद्ध पेयजल की की कोई व्यवस्था।जो की आज इस क्षेत्र की मूलभूत सुविधा बिजली, पानी और सड़क है जिस और सरकार और सरकार में बैठे कर्मचारी, नेताओं को ध्यान देना चाहिए। लेकिन नेता सिर्फ और सिर्फ अपने मतदाताओं को अपने मतदान करने तक ही पूछ परख रखते हैं। बाकी 5 साल अपनी तिजोरिया ही भरने में लगे रहते हैं वही दूसरी ओर कर्मचारी नेताओं की कठपुतली बने बैठे है। सरकारी कर्मचारी और नेताओं के बीच में आम जनता हद से ज्यादा परेशान हो रही। अधिकारी, नेता और ठेकेदारों की मिली भगत के कारण इस क्षेत्र की जनता शुद्ध पेयजल के लिए तरस रही है।

विधानसभा चुनाव संपन्न हुए 5 वर्ष होने वाले हैं लेकिन इन 5 वर्षों में किसी भी प्रकार की कोई भी सुविधा किसी भी नेता ने इस क्षेत्र में नहीं करवाई। जिस कारण से इस क्षेत्र की जनता भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों का विरोध कर रही है। भाजपा सरकार के रहते हुए भाजपा सरकार के नेताओं ने कभी क्षेत्र में आकर नहीं देखा और ना ही कभी इस क्षेत्र की जनता से रूबरू हुए और ना ही उनके हाल-चाल पूछे। पिछले एक माह से सत्त विद्युत विभाग द्वारा कभी मेंटेनेंस के नाम पर तो कभी लोड सेटिंग तो कभी आला अधिकारियों के नाम पर विद्युत विभाग के कर्मचारी लाइन बंद कर देते हैं फोन करने पर समस्त कर्मचारी आला अधिकारियों के अधीनस्थ काम करना बताते है। अधिकारियों के निर्देशों का पालन करना बताते हैं आखिर गांव की जनता किससे गुहार लगाए। बिजली को लेकर कई बार अधिकारियों से चर्चा भी की गई लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। वहीं सरकार 24 घंटे बिजली देने का दावा ठोक रही है तो ग्रामीण क्षेत्र में 12 घंटे भी बिजली प्रदाय नहीं हो रही है।

ग्रामीणजनों का कहना है कि, 12 घंटे भी बिजली प्रदाय नहीं हो रही उसके बावजूद भी दो से तीन हजार भारी भरकम बिल दिए जा रहे है और रात-रात भर बिजली नहीं रहती है, बच्चों से लगाकर बूढ़े तब परेशान हो रहे हैं। इन दिनों मच्छरों की भी भरमार लगी हुई है जिससे काफी बीमारी भी फैल रही हैं लेकिन बिजली का कोई ठिकाना नहीं रहता।

ज्ञानशाला : निर्माण, संस्कार व धर्म की पाठशाला है –मुनि श्री मुनि सुव्रत स्वामी जी

माही की गूंज, पेटलावद।

ज्ञानशाला एक निर्माण, संस्कार, एवं धर्म की पाठशाला है। कितने ही बच्चे ज्ञानार्थी के रूप में ज्ञानशाला से जुड़े है, एक समाज के लिए आवश्यक होता हे कि, उसके बच्चों में अच्छे संस्कार और धार्मिक ज्ञान का सृजन हो। ज्ञानशाला धर्म की पाठशाला है, जहां कितने ही प्रशिक्षक निस्वार्थ भाव से ज्ञानार्थियो को धर्म की शिक्षा व संस्कार की शिक्षा देने का प्रयास करते है। उक्त विचार आचार्य श्री महाश्रमण जी के आज्ञानुवर्ती मुनि श्री मुनि सुव्रत स्वामी जी ने अ.भा श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के निर्देशन में स्थानीय तेरापंथी सभा द्वारा ज्ञानशाला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। इस अवसर पर मुनि श्री मंगल प्रकाश जी व मुनि श्री शुभम कुमार जी ने भी अपने भावों की अभिव्यक्ति दी व कहा कि, ज्ञानशाला आचार्य श्री तुलसी का महान अवदान है। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र व ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओ द्वारा मंगलाचरन से की गई। कार्यक्रम में महासभा आंचलिक प्रभारी दिलीप भंडारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। ज्ञानशाला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में छोटे-छोटे नन्हें बच्चों ने कव्वाली व विभिन्न मनमोहक व उत्साहवर्धन प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर ज्ञानशाला के समस्त बच्चों को आकर्षक उपहार भी भेंट किये गए। ज्ञानशाला दिवस पर आयोजित इस आयोजन का कुशल संचालन ज्ञानशाला संयोजिका रेखा पालरेचा ने किया, आभार हेमलता कोठारी ने माना।

जिला पंचायत की बैठक 8 सितम्बर को

माही की गूंज, झाबुआ। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 8 सितम्बर को दोपहर 12 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

बैठक में 19 जुलाई सम्पन्न बैठक के कार्यवाही विवरण के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा, ग्रामीण विकास विभाग की समस्त योजनाओं, लोक निर्माण विभाग, पीआईयु, जल संसाधन विभाग, सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग एवं आईटीडीपी, जिला शिक्षा केन्द्र, खनिज विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आदि के कार्यो एवं खाद्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओ की समीक्षा की जाएगी।

तीसरी नेशनल लोक अदालत के प्रचार वाहन को न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

माही की गूंज, झाबुआ।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झबुआ के तत्वाधान में 9 सितम्बर को आयोजित होने वाली वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत के लिए प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ श्रीमती विधि सक्सेना द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन को न्यायालय परिसर झाबुआ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ श्रीमती विधि सक्सेना ने कहा कि, इस प्रचार वाहन का उद्देश्य लोगों को लोक अदालत के बारे में जागरूक करना है। यह वाहन जिले के सभी प्रमुख स्थानों पर भ्रमण करेगा और लोगों को लोक अदालत के बारे में जानकारी देगा। जिससे लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। प्रचार वाहन के माध्यम से लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को आयोजित होने वाली लोक अदालत के संबंध में जागरूक किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि, राष्ट्रीय लोक अदालत में समझोता योग्य आपराधिक प्रकरण, चेक बाउस, मोटर दुर्घटना के क्लेम, विद्युत अधिनियम के अंतर्गत अपराध से संबंधित, वैवाहिक, भरण-पोषण, सिविल प्रकरण, राजस्व के प्रकरण जो न्यायालय में लंबित है, भू-अर्जन प्रकरण श्रम विभाग, बीएसएनएल जलकर का निराकरण आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर किया जायेगा।

ईवीएम पर डेमो मतदान के द्वारा नवीन मतदाताओं को किया जागरूक

माही की गूंज, झाबुआ। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत नवीन मतदाता को ईवीएम पर डेमो मतदान के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम स्कूल एवं कॉलेज में किया गया। जिसका मूल उद्देश्य नवीन मतदाताओ को चुनाव की वोटिंग की जानकारी देना है। जिसमे शासकीय जनशिक्षक द्वारा नागरिको को समझाया गया एवं डेमो दिखाया गया कि, आगामी चुनाव लोकसभा और विधानसभा में वोटिंग कैसे करे। ईवीएम मशीन से नवीन मतदाताओ ने डेमो वोटिंग की एवं नवीन मतदाताओ के द्वारा उत्साह से वोट डाले गये।

बारिश ने किसानों को दी राहत, कई दिनों से चल रहा था टोन-टोटकों का दौर

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार रात से मौसम में परिवर्तन आया, बारिश की कमी और भारी गर्मी के कारण सोयाबीन, मक्का और कपास की फसलो को नुकसान हो रहा था। पूरे क्षेत्र में इंद्र देवता को मनाने के लिए टोन-टोटकों का दौर शुरू हो चुका था। बिजली कटौती के कारण के किसान फसलों को पानी तक नही पिला पा रहे थे। फसल सूखने के चलते किसान परेशान थे। मंगलवार रात मौसम ने अचानक करवट ली और रात में पूरे अंचल में बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। बुधवार को अंचल के कई गावो में अच्छी बारिश हुई, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली। हालाकि बारिश नही होने और गर्मी के कारण कई किसानों की फसल 50 प्रतिशत बर्बाद हो चुकी है जिसके मुआवजा की मांग किसान संगठनों द्वारा की जा रही है।

सूर्य नारायण पिछले कुछ दिनों से पूरी तरह फसलों को गर्मी से बेहाल किये हुए थे लेकिन मंगलवार को बदले मौसम के बाद बुधवार सुबह से लेकर शाम तक बारिश रुक-रुक के बारिश होती रही तो कई जगहों पर तेज बारिश भी हुई।

जन अभियान परिषद द्वारा पेसा एक्ट का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

माही की गूंज, सारंगी।

मंगलवार को ग्राम पंचायत सभाकक्ष सारंगी में मध्यप्रदेश शासन के निर्देशनुसार प्रदेश के 20 जिलों में 89 विकासखण्ड में पैसा एक्ट अधिनियम के अंतर्गत विकासखण्ड के सभी सेक्टरों में प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसके परिपालक में झाबुआ कलेक्टर सुश्री तन्वी हुडा के निर्देश में म.प्र. जन अभियान परिषद झाबुआ के विकासखंड पेटलावद के सेक्टर सारंगी में एक दिवसीय सेक्टर स्तरीय पेसा एक्ट प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शुभारंभ अवसर पर सरपंच श्रीमती फुंदी बाई मैडा, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश परिहार उपस्थित रहे।

पेसा एक्ट प्रशिक्षण के उद्देश्य, संक्षिप्त पृष्ठभूमि, ग्राम पंचायत और ग्राम सभा में अंतर, ग्राम सभा के गठन का प्रस्ताव बनाने की प्रकिया, ग्राम सभा की बैठक का संचालन, ग्राम सभा के अधिकार आदि विषयों पर प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण मतदाता जागरूकता के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण में सेक्टर के 17 पंचायत के पेसा मोबालाइजर, सीएमलसीएलपी के छात्र, प्रस्फुटन समिति के सदस्य, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, वालीयंटर, पेसा मोबालाईजर, जन सेवा मित्र आदि को पेसा एक्ट की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संचालन मेंटर अर्चना सिसोदिया ने किया और आभार नवांकुर संस्था के वकील वसुनिया ने किया।

अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे पटवारी, समर्थन में पहुंचे विधायक मैड़ा

राजस्व के कार्य नही होने से ग्रामीण हो रहे परेशान

माही की गूंज, पेटलावद।

चुनावी साल में हर विभाग के कर्मचारी अपनी-अपनी मांगों के लेकर सरकार से मांग कर रहे हैं। विगत कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर प्रदेश भर के पटवारी हड़ताल पर उतरे हुए है। चुनावी साल में कर्मचारियों और सरकार के बीच आम जनता पीस कर रह गई। जिनके काम अब समय पर नही होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर पटवारी अपनी मांगों को मनवाने के लिए नए-नए तरीकों से विरोध दर्ज करवा रहे हैं। यहां झाबुआ जिले के पेटलावद विकास खण्ड के हड़ताली पटवारियों ने शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए पटवारी कार्यालय पर मंगलवार को सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया। विकास खण्ड के सभी पटवारियों ने सुंदरकांड में शामिल होकर भगवान से शासन को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। बुधवार को तहसील परिसर में धरने पर बैठे पटवारीयो के समर्थन में विधायक वालसिंग मेड़ा धरना स्थल पर पहुचकर पटवारीयो की मांगों का समर्थन किया।

विधायक मैंड़ा ने कहा कि, प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पटवारियो की मांगों पर निर्णय लेगी। ज्ञात है कि, सरकार द्वारा मांगे पूरी नही होने पर 28 अगस्त से पटवारी क़लमबंद हड़ताल कर रहे हे, पटवारी के कारण जनता से जुड़े कई काम अटक गये। नामांतरण और जाति प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण कार्यो के लिए ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। पटवारियों का कहना है कि, 25 साल से उन्हें 1998 में निर्धारित वेतनमान दिया जा रहा है। जबकि पटवारियों से पूरे सेवाकाल में कार्य लेने वाले अधिकारियों के वेतनमान में कई बार वृद्धि की गई लेकिन पटवारियों को इसका लाभ नही मिल पा रहा है।

नीलकंठेश्वर निकले लाव-लश्कर के साथ, प्रजा का हाल जानने

पंपावती के तट पर हुई महाआरती, शोभायात्रा में कलाकारों की प्रस्तुति को सराहा

माही की गूंज, पेटलावद।

श्रावण मास समाप्त होने के बाद प्रथम सोमवार को निकली भोलेनाथ नीलकंठेश्वर महादेव की सवारी, सोमवार को अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए लाव-लश्कर के साथ निकले नीलकंठेश्वर महादेव, उनकी एक झलक पाने के लिए भक्त लोग उमडे। इस बार निलकंठेश्वर मित्र मंडल ने अभिनव प्रयास करते हुए पंपावती नदी के तट पर भगवान की महाआरती का आयोजन रखा। जिसमें ब्राम्हणों के द्वारा विशेष अभिषेक पूजन और आरती की गई, जिसका लाभ सभी ने लिया। इस वर्ष यात्रा का वैभव उज्जैन महाकाल की यात्रा का माहौल नगर में बन गया।

नीलकंठेश्वर मित्र मंडल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नीलकंठेश्वर महादेव की शाही सवारी निकाली गई। प्रजा का हाल जानने निकल बाबा नीलकंठेश्वर महादेव भादवा माह के पहले सोमवार को बाबा नीलकंठेश्वर महादेव की विशाल शोभायात्रा अखाड़ो, ढोल-नगाड़े, ताशों के साथ बड़ी धूमधाम के साथ निकली। शाही सवारी का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। नए बस स्टैंड पर अकमाल डामोर मित्र मंडल के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महाकाल पथ नगर परिषद अध्यक्ष ललिता योगेश गामड, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, संजय भंडारी सहित कई पार्षद गण के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया।, विधायक प्रतिनिधि जीवन सिंह ठाकुर की ओर से ब्लॉक कांग्रेस की ओर से स्वागत किया गया। गवली समाज के राधा-कृष्ण मित्र मंडल के द्वारा गणपति चौक पर स्वागत किया गया। वार्ड क्रमांक 6 में वार्ड के सेवक गोतम गेहलोत के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया।

मंदिरों पर हुई आरती

हर वर्ष की परपंरा अनुसार नगर के मंदिरों पर भगवान भोलेनाथ के डोल की महाआरती उतारी गई। सभी मंदिरों पर भगवान की आरती के साथ उनका पूजन और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस बार ब्राहमणों ने भी बढ-चढकर यात्रा में हिस्सा लिया। नीलकंठेश्वर मित्र मंडल के द्वारा इस बार श्रावण के आठ सोमवार को नीलकंठेश्वर महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। जिसमें भगवान को अलग-अलग स्वरूपों में सजाया गया जहां पर भक्तों ने उनके दर्शन किये और भक्ति का आनंद लिया।

शोभायात्रा के दौरान होने वाली प्रस्तुतियो ने मन मोह लिया

शोभायात्रा में सबसे आगे घुड़सवार हाथों में ध्वजा लिए चल रहे थे। जिनके पीछे बेड-बाजे, ढोल-ताशे बजाते हुए युवाओं की टीम चल रही थी। पालकी में नीलकंठेशवर महादेव विराजित थे। सेवक कंधे पर बाबा की पालकी उठाकर चल रहे थे। जिनके पीछे बामनिया रोड, साई मंदिर, राजापुरा, राम मोहल्ला स्थित शिव मंदिरों की पालकी चल रही थी। इसके बाद अघोरी के रूप में कलाकार नृत्य करते हुए दिख रहे थे। ऊट भी नृत्य करते हुए सवारी में चल रहे थे। झांकी में शिवा तांडव नृत्य करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। भोलेनाथ की झांकी चल रही थी। जिनके पीछे अखाड़ा प्रदर्शन करते हुए कलाकार चल रहे थे। एक झांकी में हनुमान जी का किरदार निभाते हुए कलाकार दिख रहे थे।

पहली बार पम्पावती घाट की साज-सज्जा कर घाट पर की गई महाआरती

अभिनव प्रयास करते हुए बाबा की पालकी पंपावती तट पर पहुंची जहां पर गौतम गेहलोत के परिवार सहित नगर के पंडित विद्वानों के द्वारा महाआरती उतारी गई। नगर भ्रमण कर शाही सवारी देर रात नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची। जहां पर महाआरती उतार कर प्रसादी वितरण की गई।

महाविद्यालय में मनाया शिक्षक दिवस

माही की गूंज, थांदला।

भारतीय संस्कृति में विद्यार्थियों के हृदय में गुरू के प्रति सम्मान है। केवल संस्था में पढाने वाले ही गुरू नही होते है, जीवन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हम अनेक व्यक्तियों, प्राणियों के कुछ न कुछ अवश्य सीखते है वे सभी हमारे गुरू है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में तीन गुरूओं का महत्व होता है पहला- बृहदारण्यकोपनिषद के श्लोक ''असतों मा सद्गमय'', ''तमसों मा ज्योतिर्गमय'', ''मृत्योर्मामृत गमय'' से तीन गुरूओं का महत्व स्पष्ट होता है। असतो मा सद्गमय अर्थात असत्य से सत्य की ओर ले जाने वाली प्रथम गुरू माता, तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाने वाले शिक्षक, मृत्योर्मामृत गमय अर्थात मृत्यु से अमरता की ओर ले जाने वाले आध्यात्मिक गुरू। हमेशा व्यक्ति को अनुशासन, संयम, सहयोग और परिश्रम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते है। उक्त विचार महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में पूर्व प्राचार्य डॉ. जया पाठक ने व्यक्त किए। समारोह के प्रारंभ में टीना डामोर एवं सहपाठी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई अतिथि स्वागत के पश्चात् जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष ने महाविद्यालय स्टॉफ के प्राध्यापक का मोतियों की माला से सम्मान करते हुए पेन भेंट किए। दिनेश मोरिया ने तिरंगा गमछे पहनाकर गुरूओं का सम्मान किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से अमित शाहजी व प्राचार्य डॉ.जीसी मेहता ने पूर्व प्राचार्य डॉ. जया पाठक को शॉल श्रीफल भेट कर सम्मानित किया।

छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष प्रताप कटारा एवं छात्र प्रफुल धमानिया ने शिक्षक दिवस का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उक्त शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में प्रो. मनोहर सोलंकी, डॉ. छगन वसुनिया, प्रो. विजय मावी, प्रो. हिमांशु मालवीया, प्रो. रितुसिंह राठौर, प्रो. छतरसिह चौहान, प्रा. केसरसिह डोडवे, डॉ. मंजुला मण्डलोई, डॉ. दीपिका जोशी, डॉ. राकेश चौरे, डॉ. राजेन्द्र सिह चौहान, डॉ. जी.डी. भालसे, डॉ. सुनिताराज सोलंकी, प्रो. कंचना बारस्कर, नेहा वर्मा, केएस. चौहान, विजय मावडा, अजय मोरी, रमेश डामोर, विक्रम डामोर व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीना मावी एवं छात्र अजय भाबोर ने संयुक्त रूप से किया तथा आभार प्रो. एसएस मुवेल ने माना।

पुरानी सब्जी मंडी चालु होने पर किसानों में दिखा उत्साह

माही की गूंज, थांदला।

सब्जी मंडी विक्रेताओं ने अजजा प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर का मंडी को पुनः पुराने स्थान पर चालु करने पर ढोल-बाजे के साथ स्वागत किया। सभी किसानों ने फूल मालाओ से स्वागत कर धन्यवाद दिया व ढोल बजाकर खुशी जाहिर की।

पूर्व विधायक कलसिंह भाबर ने सभी से हाथ मिलाकर अभिवादन स्वीकार किया, साथ ही अन्य समस्याएं जानी। इस अवसर पर नोगावा मंडल अध्यक्ष लालचंद देवल, थांदला मंडल अध्यक्ष रोहित बैरागी, सोसाइटी अध्यक्ष मोहन गणावा, प्रकाश डामोर, काना मुनिया, यशवंत बामनिया, नेवसिंह मकोडिया, कांतू पारगी, व्यापारी, किसान कालू परमार, सनन पाटीदार, परमानंद पाटीदार, गगन पाटीदार, कादर शेख, देवेंद्र पाटीदार, अशोक बारिया, बंटी अम्लियार, मिठिया परमार, जावेद खान, मुकेश पाटीदार, गजेंद पाटीदार, मुन्ना जमाई आदि ने स्वागत कर धन्यवाद किया।

यात्रा गांव-गांव में जाकर कर रही जन जागरण, आदिवासी-बचाओ पर्यावरण बचाओ

आदिवासी महापंचायत में हजारों लोगों के जुटने की सम्भावना

माही की गूंज, पेटलावद।

विधानसभा चुनाव में उतरने की आदिवासी संगठनों ने आखिर कमर कस ली और इस क्षेत्र में बड़े स्तर पर तैयारिया शुरू हो चुकी है। विधानसभा क्षेत्र पेटलावद अन्तर्गत दिनांक 3 सितम्बर से जारी आदिवासी बचाओ, पर्यावरण बचाओ यात्रा का गांव-गांव, फलिये-फलिये पहुच रही है। यात्रा को ग्रामीण इलाकों में समर्थन मिल रहा है और ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। यात्रा में चल रहे सामाजिक कार्यकर्ता जन-जन से संवाद के माध्यम से क्षेत्रवासियों से उनके सुख-दुख को जान रहे है। तथा आदिवासी समुदाय की विभिन्न समस्याओं को दूर करने के उपाय बता रहे हैं।

यात्रा के माध्यम से आदिवासी वर्ग, एससी वर्ग तथा पिछड़ा वर्ग के संवेधानिक आरक्षण को अक्षुण बनाऐ रखने के लिऐ सामाजिक एकजुटता की आवश्यकता की बात रखी जा रही है। आरक्षण यथावत रहे इस हेतु उक्त सभी आरक्षित वर्ग एकता स्थापित करें। जल -जंगल-जमीन तथा पर्यावरण के संरक्षण की बातों के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य ओर रोजगार की समस्याओं पर चर्चाऐं की जा रही है। सामाजिक एकता ओर समरसता की जनजागरूकता के लिऐ भी जनमानस से चर्चाऐं की जा रही है। ताकि आदिवासी वर्ग सहित क्षेत्र के सभी निवासीयों के सर्वांगीण विकास के लिऐ सड़क से संसद तक आवाज़ बुलंद की जा सके।

15 सितंबर को आदिवासी महापंचायत, भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा भी इसी दौर में

यात्रा को मिल रहे जनसमर्थन से राजनीतिक गलियारों में खलबली मची हुई है। इस यात्रा के मुख्य नेतृत्व कर्ता इंजीनियर बालुसिंह गामड़ निवासी गोदड़िया है। जो कि, 15 वर्ष की शासकीय सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर पेटलावद विधानसभा से जयस समर्थित उम्मीद्वार के रूप में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए ताल ठोक चुके है। यात्रा का समापन पेटलावद में होना है और 15 सितंबर को यहां आदिवासी महापंचायत होना है जिसमे हजारो आदिवासीयो के जुटने के कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा भी इस दौरान जिले में आने की सभावना है और 15 और 16 सितंबर तक यात्रा पेटलावद विधानसभा में हो सकती है ऐसे में आदिवासीयो को लेकर हो रही राजनीति एक बार फिर चरम पर होगी और दोनों और से आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए भीड़ जुटाने की भरचक कोशिश होगी।

वर्षा के लिए भद्रकाली माताजी पर प्रार्थना

यात्रा के तीसरे दिन काकडिया भराड़ी भद्रकाली मंदिर में आदिवासी बचाओ यात्रा समिति के द्वारा माताजी से प्रार्थना की गई कि, प्रकृति के अंदर फसले सूखने की कगार पर है। आप हम सब की आस इंद्रदेव को प्रसन्न करें और किसानों के चेहरे पर खुशियां लाए। पूजा-पाठ, विधि-विधान के बाद आदिवासी बचाव यात्रा मातापाड़ा से सूअरपाड़ा रात्रि विश्राम रहा। यात्रा 6 सितंबर से सागडिय, रायपुरिया, बनी आसपास के गांव से होते हुए झकनावद पहुचकर रात्रि विश्राम किया। यात्रा में शामिल इंजीनियर बालूसिंह गामड़, भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिन गामड़, जयस जिला प्रभारी कांतिलाल गरवाल राकेश कटारा, सुरेश हटीला, बंटू हटीला, विकास सिंगाड़ एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्त्ता साथ चल रहें हैं।

पत्रकार संघ ने शिक्षकों का किया सम्मान

माही की गूंज, पारा।

जिला पत्रकार संघ झाबुआ इकाई पारा द्वारा 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के सम्मान का आयोजन बालक हायर सेकेंडरी स्कूल पारा पर किया गया। जहां पर क्षेत्र के सेवानिवृत्ति एवं विशिष्ट शिक्षकों का शाल-श्रीफल के साथ प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र एवं शिक्षाविद राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में हायर सेकेंड्री स्कूल पारा के प्राचार्य अबरार खान ने स्वागत भाषण देते हुए स्कूल परिसर में संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। पश्चात हायर सेकेंडरी स्कूल रजला के प्राचार्य महेंद्र खूराना ने शिक्षक दिवस पर प्रकाश डाला एवं शिक्षकों को समर्पित अपनी कविता के माध्यम से कलमकारों को प्रेरित किया। जिला पत्रकार संघ के संरक्षण संजय भटेवरा ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों के प्रति सम्मान व आदर करने आदि विषयों पर अपनी बात कहते हुए उपस्थित विद्यालय छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी ने शिक्षक सम्मान समारोह पर डॉक्टर राधाकृष्णन के बारे मे बताते हुए पत्रकारों के गुरु स्वर्गीय यशवंत जी घोड़ावत को नमन करते हुए अपना प्रेरणास पद उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महिला बाल विकास राम ब्लॉक परियोजना अधिकारी श्रीमती सुनीता चौहान ने अपने अध्यक्षकीय उद्धबोधन में कहा कि, उपस्थित शिक्षकों के बीच शिक्षक दिवस पर शिक्षकों पर उद्बोधन देना सूर्य को दिया दिखाने के समान है।

उद्बोधन समापन के पश्चात जिला पत्रकार संघ द्वारा चयनित पारा क्षेत्र के 11 शिक्षकों का पुष्पमाला पहनकर एवं शाल-श्रीफल के साथ प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में सभी चयनित शिक्षकों का सम्मान क्यों किया गया इस विषय पर पत्रकार डॉ अनिल श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों के बारे में शैक्षणिक कार्य के अलावा शिक्षकों के द्वारा क्षेत्र मे की गई सामाजिक गतिविधियों का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किये गए शिक्षक संजय शर्मा का जन्मदिन भी था जिसे केक काट कर मनाया गया व शुभकानाएं दी। आयोजन में स्थानीय पत्रकारों के साथ जिला पत्रकार के संरक्षक मनोज चतुर्वेदी थांदला, राजेन्द्र सोनगरा मेघनगर, सतु ठाकुर बामनिया, सुनील सोलंकी, भामल, मुज्जमिल मंसूरी झाबुआ भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर पत्रकार संघ के सचिव शैलेंद्र राठौर ने आभार व्यक्त किया। संचलन हरिशंकर पंवार ने किया।

'इन शिक्षकों का किया सम्मान'

(1) अबरार खान प्राचार्य बालक हायर सेकेंडरी स्कूल पारा (2) वीर सिंह भूरिया (3) राजेंद्र पांचाल (4) गुलाबसिंह डामोर कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल पारा (5) केसर सिंह चौहान माध्यमिक विद्यालय नवापाडा। (6) महेंद्र खूराना प्राचार्य सीएम राईज स्कूल रजला। (7) निलेश परमार जन शिक्षक रजला। (8) शंकर दयाल सीरोठीयां (9) सेवानिवृत प्राचार्य खयडू जगदीश सोलंकी। (10) सेवानिवृत शिक्षक खयडू संजय शर्मा शिक्षक पिथनपुर (11) कोमल सिंह मकोडिया प्राचार्य पीथनपुर।

धुमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

माही की गूंज, पारा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी गांव में धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर स्थानीय मंदिरों को लाइट डेकोरेशन से सजाया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय श्री राम मंदिर में आज प्रातः काल में भोलेनाथ, श्री राम भगवान, श्री कृष्णा भगवान का अभिषेक किया जाएगा। जन्म महोत्सव के शुभ अवसर पर गांव के गली चौराहे पर नैनीहालो द्वारा मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी रखी जाएगी। राम मंदिर प्रांगण में साय 8 बजे के बाद पारा रामायण मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, रात 12 तक भजनों का दौर चलेगा। बाद रात जन्म महोत्सव के शुभ अवसर पर आरती उतारी जाएगी व माखन-मिश्री की प्रसादी वितरण की जाएगी बाद कार्यक्रम का समापन होगा। इस महोत्सव के शुभ अवसर पर स्थानीय निजी विद्यालयों में बाल गोपाल ने राधा कृष्ण नकल स्वरूप् आयोजन में हिस्सा लिया।

आदिम जाति सहकारी संस्था मर्यादित, खवासा

वार्षिक साधरण सभा की सूचना

संस्था के समस्त सम्मानीय प्रत्यायुक्त (डेलीगेट्स) महानुभावो को सुचित किया जाता है कि, संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 23-09-2023 को प्रातः 9 बजे स्थान आदिम जाति सहकारी संस्था मर्यादित, खवासा परिसर पर आयोजित की गई है। यदि निर्धारित समय पर कोरम पूर्ण नही हुआ तो साधारण सभा की कार्यवाही आधे घण्टे के लिए स्थगित की जाकर, उसी दिन, उसी स्थान पर आधे घंण्टे पश्चात पुनः की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नही होगी। साधारण सभा की सूचना सभी प्रत्यायुक्त (डेलीगेट्स) महानुभावो को वार्षिक विवरण पत्रिका के माध्यम से जिसमें विषय सूची, वार्षिक प्रतिवेदन वित्तिय पत्रक, बजट, अंकेक्षण रिपोर्ट शामिल है, डाक के माध्यम से प्रेषित की है। यदि किसी कारणवश डाक से सूचना प्राप्त नही होती है तो कृपया इसे ही सूचना मानकर साधरण सभा में उपस्थित होने का कष्ट करे।

धन्यवाद

प्रबंधक
आदिम जाति सहकारी संस्था मर्यादित, खवासा

संपादकीय

देर से जागने का नतीज प्राकृतिक आपदा

हाल के दिनों में हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ की विभीषिका से जो जन-धन की हानि हुई, उसे केंद्र व राज्यों को एक सबक के रूप में लेना चाहिए। जाहिर है कि, इन हिमालयी राज्यों में हिल स्टेशनों की वहन क्षमता को नजरअंदाज करके बिना मास्टर प्लान के जो निर्माण हुआ, वही इस आपदा की वजह बना। सत्ताधीशों व स्थानीय प्रशासन ने इस अंधाधुंध निर्माण की अनदेखी की है, जिससे इन हिल स्टेशनों के अस्तित्व पर ही संकट के बादल मंडराने लगे। इस तबाही के बाद ही देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से कहा था कि, वह हिमालयी राज्यों में वहन क्षमता के संबंध में निर्देश पारित करने के लिये आगे का रास्ता सुझाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने हाल के दिनों में अतिवृष्टि से शिमला और जोशीमठ में भूस्खलन की घटनाओं के मद्देनजर हिमालयी क्षेत्रों में वहन क्षमता और मास्टर प्लान का आकलन करने के लिये एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का संकेत दिया था। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि, उसका विचार तीन विशेषज्ञ संस्थानों को इस मकसद के लिये एक-एक विशेषज्ञ को नामित करने के लिए कहने का है। कोर्ट के इसी मौखिक निर्देश के जवाब में केंद्र सरकार ने हालिया हलफनामा दाखिल किया है। इस हलफनामे के मुताबिक, केंद्र चाहता है कि हिमालय क्षेत्र की वहन क्षमता के आकलन के लिए समयबद्ध ढंग से कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाए। दरअसल, केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने सभी 13 हिमालयी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को इस संबंध में निर्देश देने का आग्रह किया। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि, इन राज्यों को प्रतिष्ठित जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा तैयार दिशा-निर्देशों के अनुसार वहन क्षमता के मूल्यांकन के लिये उठाये गये कदमों की रिपोर्ट और एक्शन प्लान समयबद्ध तरीके से लागू करने का निर्देश दिया जाए।

दरअसल, यहां वहन क्षमता से अभिप्राय है इन हिमालयी शहरों की क्षमता के अनुसार जनसंख्या के आकार का निर्धारण करना, जो कि क्षेत्र के पारिस्थितिकीय तंत्र को नुकसान पहुंचाये बिना अस्तित्व में रह सकती है। दरअसल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में इस बात का उल्लेख है कि हरेक हिल स्टेशन में स्थानीय अधिकारियों की सहायता से उन तमाम तथ्यात्मक पहलुओं की पहचान की जाए और उससे जुड़े सभी आंकड़े जुटाए जाएं। मंत्रालय का कहना था कि इन हिमालयी राज्यों द्वारा तैयार की गयी वहन क्षमता अध्ययन की रिपोर्ट का मूल्यांकन जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी समिति द्वारा किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि, संस्थान विगत में मनाली, मैक्लोडगंज व मसूरी के लिये किये गए एक विशिष्ट वहन क्षमता अध्ययन में भागीदार रहा है। इस बाबत मंत्रालय का सुझाव रहा है कि इस अभियान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी,भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, भारतीय वन्यजीव संस्थान तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशकों या विशेषज्ञों को समिति में शामिल किया जा सकता है। नि:संदेह, इस अध्ययन को प्रमाणिक व व्यावहारिक बनाने के लिये राज्यों के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के प्रतिनिधि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व केंद्रीय भूजल बोर्ड के नामित व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। तंत्र की काहिली का आलम देखिये कि जीबी पंत संस्थान ने इस बाबत दिशा-निर्देश तैयार करके तीस जनवरी 2020 को सभी तेरह हिमालयी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को भेज दिये थे, लेकिन इस बाबत कोई कार्रवाई नहीं हुई। विडंबना ही है कि 19 मई 2023 में मानसून से पहले भी इन राज्यों को स्मरण पत्र भेजा गया, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि इन विशेषज्ञ संस्थानों की सिफारिशों को सहज-सरल रूप दिया जाए ताकि उन पर व्यवहार में सुगमता से अमल किया जा सके। लोगों की आर्थिक क्षमताओं व सीमाओं को लेकर मानवीय व संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जा सके।

मानवीय सरोकारों की रक्षा करने पर हो बहस

विश्वनाथ सचदेव

भारतीय जनता पार्टी के हाथों में एक और हथियार आ गया है अपने नए प्रतिद्वंद्वी 'इंडिया' से लड़ने के लिए। यह हथियार दिया भी उसने है जो भाजपा के विरोध में मैदान में उतरा है। द्रविड़ अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाली पार्टी द्रमुक के नेता स्टालिन के पुत्र उदयनिधि ने हाल ही में दिए एक बयान में सनातन धर्म की तुलना मच्छरों, डेंगू, मलेरिया और कीड़ों से करके यह मांग की है कि इस सनातन को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। भाजपा ने इसे एक उपयोगी हथियार की तरह लपक लिया है और धर्म के नाम पर 'इंडिया' के प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस को भी लपेटने के मौके के रूप में भुना रही है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि 'इंडिया' संगठन के अधिकांश सदस्य उदयनिधि स्टालिन के इस वक्तव्य से सहमत नहीं हैं और इस तरह की कठोर और आक्रामक भाषा के इस्तेमाल को भी चुनावी राजनीति के लिए नुकसानदायक मानते हैं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तो स्पष्ट रूप से यह बात कही भी है पर कांग्रेस में ही उदयनिधि के समर्थन में भी आवाज उठ रही है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता चिदंबरम के पुत्र ने भी स्टालिन का समर्थन किया है। इसी बात को आधार बनाकर भाजपा के नेताओं ने कांग्रेस पर हमला बोल दिया है और विपक्ष के गठबंधन को हिंदू विरोधी बताकर अपनी हिंदूवादी छवि को मजबूत बनाने में लगे हैं। भाजपा की ध्रुवीकरण की नीति को यह बात रास आ रही है। उसे लग रहा है कि दक्षिण में, विशेषकर तमिलनाडु में, भले ही इस ध्रुवीकरण से कुछ नुकसान हो जाए पर उत्तर भारत में उसे इसका अच्छा-खासा लाभ मिल सकता है। भाजपा इस लाभ को उठाने की कोशिश में लगी है और कांग्रेस समेत गठबंधन के बाकी दल इस कोशिश में हैं कि भाजपा को इस स्थिति का कम से कम लाभ मिल सके।

वैसे हिंदू धर्म या सनातन धर्म को लेकर द्रमुक शुरू से आक्रामक रहा है। लगभग 100 वर्ष पहले द्रविड़ विचारक रामास्वामी नायकर ने 'सनातन' को जाति के आधार पर हिंदू समाज को बांटने वाला बताया था। उनका सारा आंदोलन इस जाति प्रथा के खिलाफ था। और यह भी सही है कि उनकी कटु भाषा ने दक्षिण भारत के हिंदू समाज को कहीं गहरे तक परेशान किया था। नायकर के अनुयायी आज भी यह मानते हैं कि जाति प्रथा समाज पर एक कलंक है जिसे हर कीमत पर मिटाना चाहिए। यही बात बाबा साहेब अंबेडकर ने भी कही थी जब उन्होंने यह कहा कि वह हिंदू के रूप में पैदा अवश्य हुए हैं पर हिंदू के रूप में मरेंगे नहीं। तो इसके पीछे वह पीड़ा भी थी जो सारा दलित समाज सदियों से भुगत रहा था। जाति प्रथा के संदर्भ में राम मनोहर लोहिया के समर्थक समाजवादी भी यह मानते थे कि जातियों में बंटवारा हिंदू समाज को प्रतिगामी ही नहीं बना रहा बल्कि उसके मानवीय चेहरे को भी विकृत कर रहा है। नायकर जाति प्रथा से घृणा करते थे। उसके समूल नाश की बात किया करते थे। वहीं लोहिया यह मानते थे कि बिना अति उग्र हुए भी इस प्रथा के खिलाफ जनमानस तैयार किया जा सकता है। जाति प्रथा के चलते हमारा सारा समाज अगड़े और पिछड़े में बंट गया था। इस बंटवारे की विसंगति को समाप्त करने के लिए लोहिया ने आरक्षण के माध्यम से पिछड़ों को समुचित

अवसर देने की बात कही थी। उन्होंने नारा दिया था 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ' अर्थात समाज की पिछड़ी जातियों को 60 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए तभी वे समाज के उन्नत लोगों के समकक्ष आ सकेंगे।

बाबा साहेब अंबेडकर ने आरक्षण के समर्थन में इस तरह की बात नहीं कही थी। उनका मानना था कि पिछड़ों को इस योग्य बनाने की कोशिश करनी चाहिए कि वह समाज के उन्नत वर्गों तथा कथित ऊंची जातियों का मुकाबला कर सकें।

पिछड़ों को आगे लाने की एक मुहिम मान्यवर काशीराम ने भी चलाई थी। उनका शुरुआती स्वर भी उग्र ही था। वे हिंदूवादी ताकतों के खिलाफ लड़ रहे थे। उनकी लड़ाई मानव विरोधी सोच के खिलाफ थी। मायावती ने भी इसी उग्रता से काशीराम के साथ मिलकर बहुजन समाज की लड़ाई शुरू की पर शीघ्र ही उन्होंने 'हाथी नहीं गणेश है' का नारा देकर बहुजन की जगह सर्वजन की बात करनी शुरू कर दी।

यह सारी कोशिश कुल मिलाकर जाति प्रथा के दुष्परिणामों से भारतीय समाज को मुक्त करने के लिए थी। वहीं हमारे आज की एक सच्चाई यह भी है कि इन सारी कोशिशों के बावजूद हमारा भारतीय समाज जातीयता के बंधन से मुक्त नहीं हो पाया है। इस असफलता का एक बड़ा कारण यह भी है कि जाति प्रथा से मुक्ति के ये सारे अभियान आगे चलकर राजनीतिक स्वार्थ की सिद्धि के माध्यम बनते गए। पिछड़े अथवा पिछड़ी जाति के लोग अपने लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। यह न्याय उन्हें मिलना ही चाहिए। रामास्वामी नायकर से लेकर आज तक इस लड़ाई के नायक इसी न्याय के लिए लड़ते रहे हैं। परिवर्तन की आशा है पर उतनी नहीं जितनी जरूरी है। इक्कीसवीं सदी का भारतीय समाज भी जातियों के संदर्भ में 18वीं सदी की मानसिकता के साथ जी रहा है। यह एक विसंगति है जिसे दूर करना होगा। यह विडंबना है जिससे मुक्ति पानी होगी।

दुर्भाग्य की बात है कि मानवीय अधिकारों की यह लड़ाई जब-तब राजनीतिक स्वार्थ को साधने का माध्यम बन जाती है। सच्चाई यह भी है कि कभी इस लड़ाई को लड़ने का तरीका गलत हो जाता है और कभी लड़ने वालों के स्वार्थ हावी हो जाते हैं। सनातन की तुलना बीमारियों से करके ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। जाति प्रथा के संदर्भ में युवा स्टालिन संयत भाषा का प्रयोग कर सकते थे और भाजपा भी मौके का राजनीतिक लाभ उठाने की उतावली से बच सकती थी। होना यही चाहिए था।

जाति प्रथा निश्चित रूप से हमारे समाज का एक कलंक है। इसे मिटाना ही चाहिए। इसके लिए उस हर कोशिश का विरोध होना चाहिए जो भारतीय समाज को बांटने में मददगार हो सकती है। सवाल हिंदू धर्म की रक्षा का नहीं मानवीयता की रक्षा का है। भारतीयता की रक्षा का है। वसुधैव कुटुंबकम्? और सर्व धर्म समभाव की बात हमारे नेता बहुत करते हैं, पर इस आदर्श को पूरी ईमानदारी से साथ स्वीकारने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। यह ईमानदारी हमारे नेतृत्व में कब आएगी? कभी आएगी क्या?

समावेशी लोकतंत्र के विचार को संबल

डॉ. भारत

विश्व में लोकतंत्र की जननी के रूप में जाना जाने वाला भारत राष्ट्र न केवल सबसे पुराना लोकतंत्र है बल्कि एक परिपक्व लोकतंत्र भी है। भारत में लोकतंत्र की जड़ें चौथी शताब्दी से ही देखी जा सकती हैं। तंजावुर के पत्थर के शिलालेख इसका जीवंत प्रमाण हैं। कालिंगा और लिच्छवि काल के दौरान मौजूद सामाजिक व्यवस्थाओं के साक्ष्य भी भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के बारे में बहुत कुछ बताते हैं।

भारत में 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' का विचार चुनाव-चक्र को इस तरह से संरचित करने का है कि लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगरपालिकाओं और पंचायतों के चुनाव 'समकालिक' व 'समक्रमिक' हों जिससे चुनी हुई सरकारें एक साथ बैठें और देश को साधनों-संसाधनों और धनशक्ति-श्रमशक्ति के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने हेतु दूरदर्शितापूर्ण योजना को व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए सकारात्मक विचार करें।

वर्ष 1947 में आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद कुछ राज्यों की विधानसभाएं पहले भंग होने के चलते यह व्यवस्था टूटती चली गई। ध्यानाकर्षण बात यह है कि वर्तमान 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' का प्रस्ताव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के साथ ही नगरपालिकाओं व पंचायतों के चुनाव कराए जाने की बात का अंगीकृत करने का उल्लेख कर रहा है। इस परिदृश्य मे यहां यह उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी, हंगरी, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, स्पेन, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम और स्वीडन जैसे देशों में आज भी एक ही बार चुनाव कराने की परंपरा है।

वर्तमान में, जब भी सरकार का कार्यकाल समाप्त होता है या जब भी विभिन्न कारणों से सदन भंग होता है तो चुनाव का बोझ राजकोष पर पड़ता है। हर साल देश में औसतन 4 से 6 विधानसभा चुनाव होते हैं जिससे प्रशासनिक, नीतिगत मामले प्रभावित होते हैं। अगणनीय वित्तीय लागत के चलते लगातार चुनाव करना 'सफेद हाथी' को पालने जैसा शौक साबित हो गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक चुनाव के दौरान सरकारी-तंत्र चुनावी प्रक्रिया और संबंधित कार्यों के कारण अपने नियमित कर्तव्यों से चूक जाता है। चुनावी बजट में इन लाखों मानव-घंटे की लागत की गणना की ही नहीं जाती। चुनावों के चलते 'आदर्श आचार संहिता' सरकार की कार्यप्रणाली को भी बुरी तरह से प्रभावित करती है, क्योंकि चुनावों की घोषणा के बाद न तो किसी नई महत्वपूर्ण नीति की घोषणा की जा सकती है और न ही क्रियान्वयन। इससे हर कुछ महीनों बाद, विकास कार्य बाधित होते हैं। प्रशासनिक लागत पर एक नज़र डालें तो

प्रदान कर सकते हैं? सरकारें क्रियात्मक दृष्टि से आगे बढ़ें या हमेशा चुनावी शंखनाद के बिगुल में उलझी रहें? जब चुनावी प्रक्रिया में कोई बदलाव ही नहीं हो रहा तो संघीय-ढांचे पर प्रभाव कैसे पड़ेगा? एक साथ चुनाव की अवधारणा लोकतंत्र और संघवाद के मूल सिद्धांतों पर चोट कहां और कैसे है? प्रश्न उठता है कि लगातार चुनाव के माध्यम से 'आदर्श आचार संहिता' होनी चहिए या एक राष्ट्र - एक चुनाव के ज़रिये 'आदर्श लोकतांत्रिक विचार'? समय-समय पर 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के मसले पर चुनाव-आयोग, नीति-आयोग, विधि-आयोग, संसदीय स्थायी समिति और संविधान समीक्षा आयोग गहन चिंतन कर चुके हैं।

सर्वविदित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार भारतीय चुनाव आयोग पंजीकरण तो राजनीतिक दलों का करता है लेकिन राजनीतिक दलों के लिए कोई अधिकतम चुनाव व्यय सीमा निर्धारित नहीं है। भारत में चुनावी कानून, सिर्फ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए ही अधिकतम चुनाव व्यय सीमा प्रदान करता है। वजह है कि तमाम राजनीतिक दल देश के किसी न किसी हिस्से में लगातार होने वाले चुनाव लड़ रहे होते हैं और इस प्रकार उनके द्वारा किए जाने वाले चुनावी खर्च पर सीमा निर्धारित करना न केवल मुश्किल है बल्कि असंभव भी। कहने की जरूरत नहीं है कि 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' की अवधारणा से चुनावों में चल रहे काले धन के इस्तेमाल और भ्रष्टाचार पर काफी हद तक अंकुश लाएगा।

एक भारत की परिकल्पना के चलते जब माल एवं सेवा कर 1 जुलाई, 2017 से सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 'एक राष्ट्र - एक कर' के सिद्धांत के रूप में प्रणालीबद्ध व सफ़लतापूर्वक स्थापित हो गया है तो चुनावी सुधार और जीर्णोद्धार के लिए इस प्रस्ताव से परहेज़ क्यों? बार-बार होने वाले चुनाव राजनीतिक दलों और राजनेताओं को सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने व सामाजिक समरसता को भंग करने का मौका देते हैं जिसके कारण अनावश्यक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। एक चुनाव की सोच में सामाजिक समरसता का भाव टपकता है।

यह स्पष्ट है कि, 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' को लागू करने के लिये संविधान और अन्य कानूनों में संशोधन की आवश्यकता होगी। इस दिशा में कानूनी पहलुओं की जांच के लिए केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के जाने माने अधिवक्ता रहे, भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति बनाई है।

निर्विवाद सत्य यह है कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, जो भारतीयों की सांसों और मूल्यों में बसी हुई है। 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' समावेशी लोकतंत्र की धारणा को बढ़ावा देगा और निश्चित रूप से आदर्श लोकतंत्र की मिसाल पेश करेगा।

प्रभावशाली - सुरक्षित भी हो जेनेरिक दवा

के.के. तलवार

भारत को 'दुनिया का दवाखाना' कहा जाता है। भारत में बनी जेनेरिक दवाओं का निर्यात विश्वभर में होता है। 21वीं सदी के आरंभ तक देश में किसी दवा को पेटेंट उत्पाद के अनुसार न देकर उत्पादन प्रक्रिया के मुताबिक दिया जाता था। इससे भारतीय दवा उद्योग को पेटेंट का उल्लंघन करने का जोखिम उठाए बगैर दवाएं बनाने का मौका मिला। पहले से किसी और की बनी दवा के घटकों को खोजकर उत्पादन करने की स्वदेशी क्षमता का क्रमिक विकास होता चला गया। आज हम दुनिया में जेनेरिक दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं, खासकर एचआईवी और एड्स या फिर अन्य जीवन रक्षक वैक्सीन। चूंकि जेनेरिक दवाएं वह होती हैं जिसके घटक हू-ब-हू ब्रांडेड दवाओं वाले होते हैं, इसलिए असर भी समान होता है।

जेनेरिक दवाओं की वकालत करने के पीछे मुख्य कारण है, इनकी कम कीमत क्योंकि इनको बाजार में उतारने से पहले जानवरों या क्लीनिक में इंसानों पर प्रयोग वाली महंगी और अनिवार्य प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। भाव में सस्ती होने के कारण विकासशील मुल्कों के लिए इनका बहुत महत्व है और इस तरह दुनिया का भला होता है। जब बात दवाओं की आए तो कहा जाता है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। समाज में ऐसी धारणा भी है कि देश में उपलब्ध जेनेरिक दवाओं में कुछ घटिया हैं। क्या हैरानी इन चिंताओं के कारण मरीज जेनेरिक दवाओं से गुरेज करते हैं, इसलिए महंगी होने के बावजूद रुझान ब्रांडेड दवाओं की ओर है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण जन-औषधि दुकानों पर कम बिक्री है।

राष्ट्रीय दवा आयोग की हालिया अधिसूचना कि चिकित्सकों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखकर देनी हैं, इसके पीछे मुख्य मंशा सही है। लेकिन इस फैसले ने उपलब्ध जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता वाले गंभीर विषय को भी आगे ला दिया है। चिकित्सकों की चिंताएं भी जायज हैं, जिसको मीडिया ने काफी प्रकाशित किया। राष्ट्रीय दवा आयोग ने जेनेरिक दवाएं लिखने की अनिवार्यता पर फिलहाल अमल न करने का निर्णय लेकर सही किया है। तथापि, जेनेरिक दवाओं की ओर केंद्रित हुआ ध्यान प्रासंगिक है। वास्तव में, जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल करवाने के पीछे उद्देश्य है कि रोगी का इलाज पर अपनी जेब से होने वाला खर्च घट सके और इसके लिए सरकार को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं सुनिश्चित करवाने के हरसंभव उपाय करने चाहिए।

हमारे मुल्क में नकली अथवा घटिया दवाएं होना, कमजोर नियामक तंत्र की वजह से है। ऐसी दवाओं के नतीजे में कई बार रोग में बहुत सी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। पिछले साल, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में भी ऐसे कई मामले हुए, एक उत्पादक की बनी प्रोपोफोल दवा से मौत तक हुई। गाम्बिया नामक देश में कुछ बच्चों की मौत का संबंध भारत से गई खांसी की दवा से जोड़ा गया है, इससे भारत की 'दुनिया की दवा-धुरी' साख को बट्टा लगा है। घटिया दवाओं से मरीज पर जो बन आती है, उसमें स्वास्थ्य में वांछित सुधार न आना और यहां तक कि रोगी में दवा विशेष के लिए प्रतिरोधकता तक पैदा हो जाती है और यह बहुत गंभीर चिंता का विषय है। प्रभावशाली नियामक तंत्र के अभाव में, कुछ दवा निर्माता लागत में पैसा बचाने के नाना तरीके अपनाते हैं और स्थापित अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन मानकों का पालन करने से बचते हैं। हर मामले में भले ही मिलावट और बेईमानी वाले तरीके न भी बरते गए हों, लेकिन लापरवाही और नियमों की अनदेखी करते अकसर पाया जाता है। घटिया दवाएं (चाहे यह संदूषित हो या कम गुणवत्ता

वाली) अकसर कोताही या फिर उत्पादन प्रक्रिया में जान-बूझकर कुछ गलत करने का परिणाम है। यह कृत्य कतई अस्वीकार्य है और कड़े से कड़े रूप में इसकी भर्त्सना होनी चाहिये।

सबको अच्छी तरह मालूम है कि अमेरिका और यूरोपियन मुल्कों में जेनेरिक दवा को बतौर एक विकल्प तभी मंजूरी मिलती है, जब वे ब्रांडेड दवाओं जितनी प्रभावशाली और सुरक्षित पाई जाएं। वहां किसी जेनेरिक दवा को मंजूरी पाने के लिए सख्त अवलोकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अमेरिका का ड्रग एंड फूड एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) विभाग तो दवा उत्पादन कारखानों का निरीक्षण तक करता है ताकि सुनिश्चित हो सके कि दवाएं सर्वोत्तम मानकों की पालना करके बनाई जा रही हैं। इससे मरीज का जेनेरिक दवाओं पर पूरी तरह भरोसा बनता है। आकंड़े खुद बताते हैंदृ आईएमएस संस्थान के मुताबिक जेनेरिक दवाओं ने 2009-19 के बीच दस सालों में अमेरिकी स्वास्थ्य तंत्र के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर बचाए।

इससे सबक लेते हुए हमें अपना नियामक तंत्र मजबूत करना चाहिए। जब तक सख्त गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली स्थापित नहीं हो जाती और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित न हो तब तक दवाएं कम असरकारक और उनसे रोगी में गंभीर संलग्न जटिलताएं पैदा होने का दोहरा खतरा बना रहेगा। हमारी उत्पादन निर्देशावली का पुनरावलोकन और प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करवाने की फौरन जरूरत है। इसके लिए पूरी तरह प्रशिक्षित व्यावसायिक जांचकर्ताओं से सज्जित परीक्षण शालाओं वाला यथेष्ट तंत्र सुनिश्चित करना होगा। वैधानिक एवं अन्य सुरक्षा मानकों के पालन के लिए कड़ी निगरानी अहम होगी। कानूनी एवं नियामक तंत्र इस तरह बनाया जाए जो कि दवा निर्माताओं में स्व-पालन और स्व-नियंत्रण को प्रोत्साहित करे और ठीक इसी वक्त उल्लंघनकर्ताओं या गलत आचरण करने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की शक्ति भी उसके पास हो। भारत में दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिम्मेवार केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को और मजबूत एवं शक्तिशाली बनाना होगा।

हमारे दवा संबंधी चेतावनी तंत्र एवं दवा-निगरानी कार्यक्रम को भी सुदृढ़ करने की जरूरत है। ये तरीके बिक्री उपरांत दवाओं को सुरक्षित बनाने के हैं। किसी दवा के बारे में चेतावनी मिलते ही अगली कार्रवाई के तौर पर दवा-विक्रेताओं से इन्हें फौरन हटवाने के साथ शीघ्रातिशीघ्र चेतावनी पूर्ण संदेश लोगों तक पहुंचाने वाली व्यवस्था हो।

एक बार गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध होने के बाद, सरकार दवा-निर्माताओं से कहे कि आइंदा ब्रांडेड दवाएं बाजार में न उतारें। दवा उत्पादकों को अपने बिक्री संबंधी प्रचार खर्च के बजट में कटौती करते हुए अनुसंधान एवं विकास के अलावा गुणवत्ता नियंत्रण पर अधिक धन लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सीडीएससीओ को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धतता सुनिश्चित करने लिए कमर कसनी होगी। एक बार यह व्यवस्था बन जाए, तब राष्ट्रीय दवा आयोग का आदेश सही मायने में स्वागतयोग्य है।

फसल पर छाया संकट, किसान परेशान, तापमान 32 डिग्री पार

माही की गूंज, शाजापुर।

बारिश का दौर थमने और तेज धूप की वजह से खरीफ की फसल मुरझाने लगी है। स्थिति ने किसानों को चिंता बढ़ा दी है। शुरुआती दौर में समय-समय पर हुई रिमझिम बारिश से फसल की बढ़वार भी बेहतर ढंग से हुई, लेकिन अब अचानक मौसम का बदले मिजाज ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाने का काम किया है। पिछले 20 दिन से बारिश नहीं हुई है। मौसम पूरी तरह से खुला हुआ है और तेज धूप निकल रही है, जिससे दिन का तापमान 32.2 डिग्री पर जा पहुंचा है। क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति उबड़-खाबड़ है। यहां की मिट्टी उथली व पथरीली है, जिससे जमीन की जल धारण क्षमता कम है। ऐसे में फसल पर संकट मंडराने लगा है। इस वर्ष की कम बारिश जहां जलश्रोतों के न भरने का कारण बन रही है बल्कि मौसम की मार अब खरीफ की फसलों पर पड़ती दिखाई दे रही है। खरीफ की फसलें अब कुम्हलाने लगी है। कई किसान अब फसलों को को बचाने के लिए सिंचाई का सहारा ले रहे है, लेकिन किसानों का कहना है कि यदि तीन चार दिन में बारिश नहीं होती है तो फसल खराब हो चुकेगी।

बारिश की लंबी खेंच ने एक पखवाड़े पूर्व तक लहलहा रही फसलों को मुरझाने पर मजबूर कर दिया है। पूरे अगस्त में एक इंच भी बारिश नहीं हुई। तेज धूप में सोयाबीन, मक्का के पौधे सूखने के साथ दम तोडऩे लगे हैं। इस वर्ष 1 जून से 31 अगस्त नाम मात्र ही बारिश हुई है। जबकि बीते साल इस अवधि तक लगभग 25-30 इंच बारिश हो चुक थीं। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बारिश कम हुई है। सावन का महीना सूखा गया।

किसानों को भारी नुकसान की आशंका

मानसून की विदाई 15 सितंबर के आसपास मानी जाती है। जलाशयों में भी पानी की आधी उपलब्धता हुई है। मानसून के रुठने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी और

भी कहर ढा रही है। क्षेत्र में दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री के आसपास पहुंच रहा है, तो रात में गर्मी और उमस बनी हुई है। सोयाबीन के पत्ते पीले पड़ रहे हैं। उमस के कारण सोयाबीन के पौधे पर विपरीत असर कर रहा है। अधिकांश रकबे में सोयाबीन पौधों में फलियां आ चुकी हैं, लेकिन दाने नहीं बन पा रहे हैं। पानी की कमी के कारण के कारण किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। अच्छी वर्षा कि कामना के साथ ग्रामीण अंचलों में पूजा-अर्चना भी हो रही है।

गर्मी ने किया हलाकान

भारतीय पंचांग के अनुसार इस साल दो श्रावण माह हुए है। जिससे अभी घनघोर बारिश का माह भाद्रपद ही शुरू हुआ है, लेकिन बारिश ने पिछले एक पखवाड़े से मुंह मोड़ा हुआ है। ऐसे आसमान से सूरज देतवा आग बरसाते नजर आ रहे है। जिसका न केवल मनुष्यों के स्वास्थ्य पर बुरा असर दिख रहा है, साथ ही खरीफ की फसलों पर सूखने का खतरा मंडराने लगा है।

मुरझाने लगा सोयाबीन, हालात बदतर

बता दे कि, इस वर्ष खरीफ के फसल सोयाबीन पर कम बारिश का असर दिखना शुरू हो चुका है। सोयाबीन की फसल गर्मी और तेज धूप के कारण कुम्हलाने लगी है। किसान मुकेश वरसैया, गिरवर पाटीदार, संतोष पाटीदार का कहना है कि, कई खेतों में अभी फलिया तो आ गई है लेकिन उसमें दाना नहीं भरा है और फलिया तने के पास से कुम्हालाने और सूखने के कारण खेतों में गिरने लगी है। जिससे इस साल सोयाबीन को खतरा बड़ा हो गया है। किसानों को इससे बड़ा नुकसान होने की आशंका गहराती दिख रही है। किसान जयनारायण गामी, रमेश उज्जालिया बताते है कि यदि एक सप्ताह के अंदर बारिश नहीं होती है तो छोटे किसानों की फसलें सूख चुकी होंगी। साथ ही जहां फलिया आ चुकी है, उसका दाना आने से पहले ही फलिया सूखने लगेगी। इससे किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इसका बुरा असर अब फसलों पर दिखना शुरू हो चुका है।

अब किसानों को सिंचाई पर भरोसा

मौसम की मार झेल रही खरीफ की फसलों को अब केवल सिंचाई का भरोसा है। इस साल औसत बारिश से लगभग आधी ही बारिश दर्ज हो सकी है। जिसके कारण जलश्रोतों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं है। जहां बड़े किसान सिंचाई के काम में जुट चुके है। ताकि फसलों को मुरझाने से बचाया जा सके। बाकी छोटे किसानों की मुसीबत होती दिख रही है। कई क्षेत्र ऐसे है जहां सिंचाई के साधन नहीं है उनकी दशा भी चिंतनीय दिखाई दे रही है।

सोयाबीन पर ब्लास्ट और फाल्स स्मट का असर

सोयाबीन के खेतों में दरार पड़ने लगी हैं। पानी नहीं मिलने और तेज धूप के चलते फसल पर विभिन्न रोगों का असर होने लगा है। फसल पर बैक्टीरियल ब्लाइट, फाल्स स्मट, ब्लास्ट रोग, पीला तना छेदक, पत्ती लपेटिक कीट, भूरा फुदका, गंधी जैसे रोग असर कर रहे हैं। जिनकी रोकथाम के लिए कृषि विशेषज्ञ किसानों को दवा डालने की सलाह दे रहे हैं।

भाजपा की जन आशिर्वाद यात्रा पर हुए पथराव में 6 आरोपी गिरफ्तार

19 लोगों को बनाया नामजद आरोपी

माही की गूंज, नीमच।

जिले की मनासा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया था। करीब 100 से 150 लोग यात्रा के सामने आ गए थे। भाजपा नेताओं ने काफी देर तक इन लोगों को समझाने की कोशिश की। इसी दौरान यात्रा पर अचानक पथराव शुरू हो गया, ग्रामीणों ने सड़क पर पत्थर जमा कर रखे थे। इस हमले में यात्रा में शामिल वाहनों के कांच फूट गए। इस मामले में बुधवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रीवा में कहा, कमलनाथ कई महीने से उकसाने का काम कर रहे थे। वे कह चुके थे कि मणिपुर जैसा पथराव हो सकता है।

एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि, पुलिस ने 19 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। अब तक भैरूलाल सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वीडियो के आधार पर अज्ञात लोगों की पहचान कर उन्हें भी आरोपी बनाया जाएगा।

वहीं भाजपाइयों का कहना है कि, ये सब कांग्रेस के इशारे पर हुआ है। पथराव के दौरान यात्रा में यात्रा के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव, बंशीलाल गुर्जर और मनासा विधायक माधव मारू भी यात्रा के साथ थे। घटना मंगलवार रात करीब 8 बजे जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर रामपुरा क्षेत्र के राउली कुड़ी गांव में हुई। यात्रा पर हमले की वजह चीता प्रोजेक्ट को लेकर विरोध भी बताया जा रहा है। वन विभाग चीता प्रोजेक्ट के तहत जंगल में फेंसिंग कर रहा है। ग्रामीणों के मवेशियों को आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। इसी बात को लेकर ग्रामीण भड़के हुए हैं।

प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों पर प्रतिबंध

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि, गणेश चतुर्थी पर प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित मूर्तियों के क्रय-विक्रय की संभावनाऐं है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश जल संरचानाओं को प्रदूषण से बचाने के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों को प्रतिबंधित किया गया है। ऐसी स्थिति में नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इस बात की जॉच कराए कि कहीं भी प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियॉ निर्मित तो नहीं हो रही है। यदि निर्मित होती पाई जामी हैं तो उन्हें तत्काल जप्त किया जाए। साथ ही नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार हेतु होर्डिंग्स भी लगवाऐं जाऐं ताकि प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों का क्रय विक्रय न हों तथा लोगों में इस बात को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी स्थिति में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों का क्रय विक्रय न हो।

हत्या के आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में

माही की गूंज, मंदसौर/कपासन।

न्यायालय ने उर्स के दौरान चाकूबाजी की घटना में युवक की हत्या करने के आरोप में पुलिस रिमांड पर चल रहे तीनों युवकों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश दिया है। दीवानाशाह के उर्स के दौरान 25 अगस्त रात्रि में मेहबूब पार्क से निकल रहे एक युवक का वहां सो रहे व्यक्ति की दरी पर पांव लग गया। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। अज्ञात युवकों ने मंदसौर के वाईडीनगर थानांतर्गत मुल्तानपुरा निवासी आशिक लक्कड़ पुत्र अफजल को चाकू से वारकर गंभीर घायल कर दिया, उसकी बाद में मृत्यु हो गई। मुल्तानपुरा निवासी इजहार घोचा की प्राथमिकी पर प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान पुलिस निरीक्षक गजेन्द्रसिंह के जिम्मे किया। पुलिस ने हत्या के आरोप में नयापुरा निवासी अमन फकीर पुत्र हनीफ, सोहेल खान पुत्र कल्लु अली, लक्की फकीर पुत्र जाकिर को बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उनको सोमवार तक पुलिस रिमांड पर रखने का आदेश दिया। इस बीच सोमवार को पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को बाद पुछताछ अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतापसिंह राठौड़ के समक्ष पेश किया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। रविवार को दो बाल अपचारी को डिटेन कर बाल न्यायालय में पेश किया था जहां से उनको बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, खबर फैलते ही नगर में छाई शोक की लहर

माही की गूंज, रतलाम।

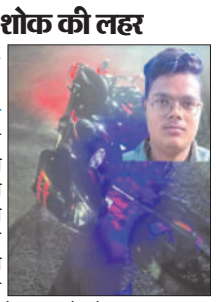

नगर के नमकीन व्यवसायी के पुत्र की नामली तहसील कार्यालय के सामने मंगलवार को रात करीबन 9 बजे सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। सैलाना में टाटधारी नाम से प्रसिद्ध नमकीन की दुकान संचालित करने वाले रूपनारायण कसेरा के 18 वर्षीय पुत्र जतिन की सड़क दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। जतिन की बाइक के पीछे बैठे मौसेरे भाई 15 वर्षीय कुलदीप कुमावत को गंभीर अवस्था में रतलाम के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। दुर्घटना में एक्टिवा सवार नामली निवासी राहुल और एक अन्य युवक भी घायल हुए हैं। जतिन की मौत की खबर मिलते ही नगर में शोक की लहर फेल गई। मृतक जतिन के घर मे माता-पिता का इकलौता पुत्र था।

युवा पत्रकारों ने शिक्षक सम्मान समारोह का किया आयोजन

माही की गूंज, भानपुरा। साहिल अगवान

शिक्षक दिवस के अवसर पर भानपुरा के युवा पत्रकारों द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें 170 सेवानिवृत्ति एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं फूल मालाओं द्वारा सम्मान किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। यूथ प्रेस क्लब के युवा पत्रकार विगत 3 वर्षों से यह आयोजन करते आ रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष हरिकृष्ण मरमट द्वारा की गई। बतौर मुख्य अतिथि करण भूटानी सचिव, विशेष अतिथि के रूप में गुलाम मोहम्मद शेख, सुनील तिवारी, शेखर वधवा द्वारा सहभागिता की गई। मंच संचालन शिक्षक राजेश बंडवाल द्वारा किया गया।

अध्यक्ष हरिकृष्ण मरमट द्वारा बताया गया कि, शिक्षक सम्मान समारोह की नींव यूथ प्रेस क्लब द्वारा रखी गई है जो कि एक सरहनीय पहल है। मैं यूथ प्रेस क्लब के सभी सदस्यों का इस अनूठी पहल के लिए अभिवादन करता हुं। यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान द्वारा बताया गया कि, शिक्षक सम्मान समारोह का निरंतर चौथा आयोजन आप सभी की गरिमामय उपस्तिथि में सफल आयोजन के रूप में संपन्न हुआ है। नवीन जिम्मेदारियों के कारण यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष के रूप में यह मेरा अंतिम आयोजन है। मगर मैं आप सब को विश्वास दिलाता हुं कि, नवीन अध्यक्ष भी शिक्षक सम्मान समारोह को यथावत आयोजित करेगा। इसी के साथ आभार भी यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष राजकुमार भट्ट, सचिव सुनील माली, सह सचिव कमल राठौर, कोषाध्यक्ष सूर्य प्रकाश भट्ट, सदस्य अपूर्व चौरडिया, विजेंद्र बना, सलमान अंसारी, जमील पठान, कमलेश अहीर, धीरज सिसोदिया, नीरज राठौड़, सुभाष गायरी, मोहित बागड़िया उपस्थित रहे।

रेल मंत्री ने रतलाम रेल मंडल का किया दौरा

माही की गूंज, रतलाम।

भाजपा, प्रदेश में सरकार दोबारा बनाने के लिए पुरजोर ताकत लगा रही है। इसके लिए तरह तरह के आयोजन किए जा रहे है। कुछ दिनों पहले तो गुजरात के विधायक को भेजा गया था कि कैसे भाजपा को सत्ता में वापस लाना है और उसके लिए क्या क्या जतन करने है इसके फंडे वे स्थानीय विधायकों और उम्मीदवारों को सीखा कर गए। रेलवे से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट है जिन पर कार्य चल रहा है। इसी तारतम्य में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रतलाम मंडल के दौरे पर थे।

दौरे के दौरान नीमच स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदसौर के सांसद सुधीर गुप्ता के साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक रजनीश कुमार तथा प्रधान कार्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके बाद, रेल मंत्री ने नीमच-रतलाम-नागदा खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।

एक स्टेशन एक उत्पाद सरल का किया दौरा

रेल मंत्री वैष्णव ने नीमच स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र के साथ पश्चिम रेलवे पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन पर 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टॉल का दौरा किया। वैष्णव ने स्टॉल विक्रेताओं से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और 'डिजिटल इंडिया' के सपने को साकार करने पर बल दिया।फिर वैष्णव ने नीमच-रतलाम खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने नीमच-रतलाम खंड पर पिपलिया यार्ड के पास समपार (एलसी) संख्या 141 के स्थान पर बनाए जा रहे नए रोड ओवर ब्रिज के चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और रेलवे के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

विधायक ने की कोच मेंटनेंस हेतु पिट लाइन की मांग

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के रतलाम आगमन पर विधायक चेतन्य काश्यप ने स्वागत किया। इस मौके पर काश्यप ने रतलाम में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए रेलमंत्री वैष्णव को मांग पत्र भी सौंपा। विधायक काश्यप द्वारा रेलमंत्री वैष्णव को सौंपे गए मांग पत्र में मुख्य रूप से इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस को रतलाम तक बढ़ाए जाने, रतलाम-सूरत रेल मार्ग पर वंदे भारत को चलाने, रतलाम में कोच मेंटनेंस हेतु पिट लाइन की मांग करने के साथ अन्य कई मांगे की।

योग आयोग की ग्राम योग यात्रा में शामिल हुए हजारो लोग

कैबिनेट मंत्री भरतदास बैरागी ने कहा, योग से मिलेगा हर समस्या का समाधान

माही की गूंज, रतलाम।

मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के पिपलोदा में म.प्र. की पहली ग्राम योग यात्रा 4 सितंबर सोमवार को मावता से प्रारंभ हुई। मावता के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में ग्राम योग यात्रा का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। यहां आयोजित योग संवाद कार्यक्रम को मुख्य अतिथि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश योग आयोग के उपाध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा भरत बैरागी ने संबोधित करते हुए कहा कि, योग के माध्यम से समरस व आदर्श ग्राम का निर्माण होगा। व्यक्ति योग करेगा तो हर समस्या का समाधान मिलेगा। योग से विचार उन्नत होंगे और विचार उन्नत होंगे तो आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण होगा?। योगाभ्यास के साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए और सभी इसका संकल्प ले और पर्यावरण मित्र बने। बैरागी ने संबोधन में आगे कहा कि, विदेशी संस्कृति पशु के समान व्यवहार सिखाती हैं हमारी भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् का भाव सिखाती हैं। संस्कृति में शामिल योग हमे नई दृष्टि प्रदान करता हैं और योग से ही हर समस्या का समाधान निकल सकता हैं। अपने जीवन में ÷वन लाइफ वन मिशन?÷ का संकल्प लें। समारोह में कैबिनेट मंत्री भरत बैरागी ने सरपंच प्रतिनिधि सौरभ शर्मा व सैकड़ों विद्यार्थियों व शिक्षकों के साथ पौधारोपण भी किया। शिक्षकों ने योग यात्रा में योग आयोग जिला समिति अध्यक्ष स्वप्निल जैन, उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, जिला सदस्य उमेश शर्मा, चरणसिंह झाला, जिला योग समिति सहसचिव आशा दुबे, ब्लाक योग प्रभारी राकेश गुप्ता का स्वागत किया। ग्राम योग यात्रा मावता से नवेली, रिछादेवडा, रणायरा, भाटखेडी, बरखेड़ी, पिंगराला, जडवासा पहुंची। योग संवाद सभा में ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों विद्यार्थी व ग्रामीणजन शामिल हुए।

पौधारोपण का संकल्प दिलवाया

ग्राम योग यात्रा के दौरान योग संवाद सभा में कैबिनेट मंत्री भरतदास बैरागी ने सभी को पौधारोपण का संकल्प दिलवाया, वहीं अनेक स्थानों पर पौधें भी लगाएं?। योग आयोग जिला समिति सदस्य उमेश शर्मा ने बताया, रतलाम जिले के लिए सौभाग्य की बात हैं कि मप्र योग आयोग की पहली ग्राम योग यात्रा पिपलोदा क्षेत्र में प्रारंभ हुई हैं। जावरा क्षेत्र के सभी शासकीय विद्यालयों में योग क्लब व योग समितियों का गठन किया जा चुका हैं जिनके माध्यम से गांव में योग गतिविधियों व आदर्श गांव निर्माण के लिए प्रकल्प चलाएं जा रहे हैं। गांव-गांव में बच्चों को योगाभ्यास करवाया जा रहा हैं।

फसलों का निरीक्षण करने पहुंचा राजस्व व कृषि विभाग का संयुक्त दल

अल्प वर्षा होने से करीब 65 हजार हेक्टयर में फसलें हुई प्रभावित

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा द्वारा टीएल बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद राजस्व व कृषि विभाग का संयुक्त दल मंगलवार को खरगोन और सेगांव विकासखण्ड के ग्रामों में फसलों का निरीक्षण करने पहुंचा। जिले में अल्प वर्षा होने के कारण कई फसलें मुरझा कर पीली पड़ गई है। किसानों के खेतों की हालिया स्थिति जानने के लिए दल ने सोयाबीन, कपास, मूंगफली, मक्का सहित अन्य फसलों का निरीक्षण किया। एसडीएम भास्कर गाचले व कृषि उपसंचालक एमएल चौहान सहित दल के सदस्यों ने नंदगांव के कृषक शंकर पिता ठाकुर के खेत में सोयाबीन की फसल का निरीक्षण किया गया। वहीं घोट्या के दिनेश पिता मदन के खेत में सोयाबीन एवं रामदास पिता गोकुल के खेत में मक्का व मिर्च फसल तथा सुखदेव घिसीलाल के खेत में कपास का जायजा लिया। इसी प्रकार ग्यासपुरा के सुखलाल, प्रताप सदिया, के खेतों में कपास व मूंगफली की फसलों का निरीक्षण किया।

पानी के सिंप्रकलर व ड्रीप से करें सिंचाई

जिले में अल्प वर्षा के कारण हल्की जमीन में सोयाबीन और मक्का की फसलें मुरझा कर पीली पड़ रही है। वही दाने का भराव भी कम हो रहा है जिससे फसल उत्पादन कम होने की संभावना है। दल ने अल्प वर्षा से प्रभावित हुई फसलों पर चर्चा करते हुए कहा कि फसलों को पानी के सिंप्रकलर एवं ड्रीप आदि के माध्यम से सिंचाई कर सकते हैं। दल ने बताया कि जिले में अल्प वर्षा के कारण अब तक कुल 65 हजार हेक्टयर क्षेत्र में विभिन्न फसलें प्रभावित हुई है। इनमें मुख्यतः सोयाबीन, मक्का और मुंगफली की फसले अधिक प्रभावित हुई है। दल ने आगामी 2 से 4 दिवसों में वर्षा होने से फसलों की स्थिति में सुधार होने की संभावना जताई है। वर्तमान में जिले में अब तक कुल 378.58 एमएम वर्षा हुई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में 629.60 एमएम वर्षा दर्ज की गई हे। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 251.02 एमएम कम वर्षा हुई है। फसलों के निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री टीएस मण्डलोई, सहायक संचालक कृषि श्री प्रकाश ठाकुर, दीपक मालवीया, खरगोन विखं के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री गिरधारी भावर एवं सेगांव विखं के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री राजाराम चौहान संयुक्त दल में शामिल रहे।

आरक्षक की शह पर चल रहा क्षेत्र में जुआ, मुखबरी करने में माहिर

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर मंडी पुलिस प्रशासन हर बार चर्चाओं में रहा है चाहें वो किसी प्रकार का ही मामला हो। वही आरक्षक जीतेंद्र भानेरिया ने नोकरी जॉइन करते समय जो शपथ ली थी उसको वह भूल बैठा है और थाना प्रभारी संजय मंडलोई की आंखो में धूल झोंकने का काम कर रहा है। सूत्रों के अनुसार 3 सितंबर को ये भ्रष्ट पुलिस जुए चलवाने व सेटिंग करने के नाम पर जुआरियो से 5 हज़ार रुपए हर हफ्ते की डील भी हुई। वहीं यह भ्रष्ट पुलिस आरक्षक अपने साथ में एक और आरक्षक को लेकर गया। जीतेंद्र भानेरिया की आवाज़ के विडियो प्रमाण भी गूंज प्रतिनिधि के पास में सुरक्षित है। मंडी थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में लाखों का जुआ चल रहा है। सूत्र बताते है कि, जुआ में मंडी थाने के एक आरक्षक जीतेंद्र भानेरिया जो की कोर्ट मुंशी है उसकी शह पर चल रहा है। बताया जा रहा है कि, यहां हर रोज सैकड़ों की तादात में जुआरी दांव लगाने पहुंचते हैं। आसपास के गांव के जुआरी दांव लगाने पहुंचते हैं। यहां यह बताना लाजिमी है कि मंडी थाने में पदस्थ एक आरक्षक अपने दम पर जुआ खिलवा रहा है। जिसकी भनक संजय मंडलोई टीआई को भी नहीं है। वर्तमान में पुलिस प्रशासन जुआ के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है या नही, यह कहना मुश्किल है।

ओंकारेश्वर में 'प्रकट' होंगे आदि शंकराचार्य, रात-दिन चल रहा कार्य

माही की गूंज, खंडवा।

जिले की तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के ओंकार पर्वत पर आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापना का काम तेजी से किया जा रहा है। इंदौर संभाग सहित भोपाल संभाग के वरिष्ठ अधिकारी यहां हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण भी कर रहे हैं। इंजीनियरों से भी प्रतिमा स्थापना की अंतिम तिथि पर चर्चा की जा रही है। इसी माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में आ सकते हैं। इस वजह से प्रतिमा स्थापना का काम सितंबर माह के पहले सप्ताह तक पूरा करने के निर्देश इंजीनियरों को दिए हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को एक्स पर लिखा, मध्यप्रदेश के लिए ये ऐतिहासिक क्षण हैं।आदि शंकराचार्य जी की अलौकिक प्रतिमा अपने भव्य स्वरूप में प्रकट होने जा रही है। 'शंकरावतरण' सनातन संस्कृति के सतत् जागरण का प्रतीक है। ओंकारेश्वर में 'एकात्म धाम' विश्व बंधुत्व एवं एकात्मता के लोकव्यापीकरण की वैश्विक प्रेरणा बनेगा।

बता दें कि, यहां 54 फीट ऊंचे आधार स्तंभ पर आदि शंकराचार्य की अष्टधातु से बनी 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जा रही है। विधानसभा चुनावों की घोषणा अक्टूबर में होने वाली है। उसे देखते हुए सरकार की कोशिश है कि इसी महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा का लोकार्पण कर दें। इसके मद्देनजर 30 लोगों की टीम 24 घंटे दिन-रात प्रतिमा को अंतिम रूप देने में जुट गई है। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा का काम बहुत ही तेजी से चल रहा है। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का खंडवा आने का कार्यक्रम बन रहा है। पूर्व में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक सौगात हमारे खंडवा संसदीय क्षेत्र को दी है। उनके आने से और बड़ी सौगातें जिले को मिल सकती हैं।

ब्लू स्काय डे जन जागरूकता रथ हुआ रवाना

माही की गूंज, बड़वानी।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 4 से 9 सितम्बर तक ''ब्लू स्काय डे'' के विषय राज्य स्तरनिर्देशानुसार मनाए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। इसी कढ़ी में जन जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर नगरपालिका अध्यक्ष बडवानी श्रीमती अश्विनी निक्कू चौहान के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर ''ब्लू स्काय डे'' पर जन जागरूकता रथ को रवाना किया गया।

इस अवसर पर डॉ. चंद्रजीत साबले जिला स्वास्थ आधिकारी, डॉ. लक्ष्मी माहौर जिला महामारी विशेषज्ञ, डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर उपस्थित थे। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव पर उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ता एएनएम/सीएचओ/बीईई/स्टॉफ नर्स आदि की उपस्थिति में जलवायु परिवर्तन एवं इसके मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव, प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति में वायु प्रदुषण के कारक एवं वायु प्रदुषण के कारण होने वाली स्थाई एवं अस्थाई बीमारियो जैसे- आखों की बीमारी, मानसिक स्वास्थ्य, मधुमेह, बल्ड प्रेशर, हृदय रोग, फेफडों का केंसर, सहित जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जीवन पर पड़ने वाली हानिकारक प्रभावो के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जलवायु परिवर्तन अन्तर्गत वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण, ध्वनि प्रदुषण, मृदा प्रदुषण आदि एवं इसके कारण होने वाले रोगो के संबंध में प्रजेंटेशन का प्रस्तुतिकरण कार्य किया गया।

कार्यक्रम का उद्धेश्य राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य पर होने वाले इसके गंभीर प्रभाव को जन जागरूकता के माध्यम से कम करना एवं ग्रामीण अंचलो में ग्रामीण हितग्राहियो सहित शहरी क्षेत्रो में निवासरत हितग्राहियो में जागरूकता फैलाकर वायु प्रदुषण, के बाहरी माध्यम, एवं आंतरिक माध्यम सहित एवं ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ते सूखे, बाढ़ विपदा आदि की जागरूकता फैलाकर नियंत्रित करना उद्धेश्य रहा।

संभागायुक्त ने किया बड़वाह, सनावद और छैगाँव माखन में अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन। संभागायुक्त मालसिंह ने बुधवार को बड़वाह और सनावद के शासकीय अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। सुबह 9:15 पर जब कमिश्नर मालसिंह बड़वाह के सिविल हॉस्पिटल में पहुँचे तो वहाँ पर एक भी डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद नहीं पाया गया। संभागायुक्त ने यहाँ उपचार कराने आए मरीज़ों से आवश्यक जानकारी लेकर अनुपस्थित डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद संभागायुक्त मालसिंह ने प्रातः 9:40 पर सनावद के शासकीय अस्पताल का भी निरीक्षण किया। यहाँ नियुक्त पांच डॉक्टरों में से केवल डॉ. स्वाति पटेल ही ड्यूटी पर उपस्थित पाई गई। अन्य चार अनुपस्थित पाए गए। संभागायुक्त मालसिंह ने नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए खरगोन ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए जवाब तलब किया है। इसके पश्चात संभागायुक्त मालसिंह ने खंडवा ज़िले के छैगाँव माखन अस्पताल का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित स्टाफ से चर्चा की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीजों के हाल-चाल जाने और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान डॉ. आशुतोष पारे और डॉ. हर्षिता अनुपस्थित पाये गये।

इन्द्रदेव को मनाने के लिए किया यज्ञ, होने लगी झमाझम बारीश

माही की गूंज, अमझेरा (धार)। वर्षा की लंबी खेंच के करीब 20 दिनों के बाद बुधवार को नगर व आस-पास के ग्रामों में झमाझम बारीश हुई जिससे मुर्झाती और सुखती हुई फसलों को जीवनदान मिल गया। वहीं किसानों के साथ आमजन के चेहरे खिल उठे। बारीश की कामना के लिए अमझेरा, सगवाल में उजमनी की गई। वहीं ग्राम राजपुरा में पिपलेश्वर महादेव भगवान को जलमग्न कर प्रार्थना की जा रही थी। बुधवार की सुबह नगर के हरदमलाला हनुमानजी मंदिर में इन्द्रभगवान को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ किया गया। जिसमें आचार्य पंडित अशोक शर्मा के द्वारा यज्ञ संपन्न कराया गया तथा रूगनाथ यादव के द्वारा पानी के अंदर बैठकर सपत्निक आहुतियॉ डाली गई। भगवान की आरती उतार कर प्रसादी का वितरण किया गया। ग्राम राजपुरा में ढोल बजाकर ग्रामिणों के द्वारा नाचते हुए बारीश का स्वागत किया।

सीईओ क्यों है सचिव पर मेहरबान...?

माही की गूंज, कालापीपल। कालापीपल जनपद की ग्राम पंचायत बकायन में जन समस्या को लेकर अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार निवारण कमेटी के तत्वाधान में जन समस्या को लेकर जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर को अवगत कराया गया। जिसमें कई चीजें सामने आई, जिनमें प्रमुखता से रोजगार सहायक अकरम, सचिव सुनील भारती के द्वारा अपना कार्य सुचारू रूप से नहीं करना बताया गया और गाली-गलौज व गुंडागर्दी करना बताया गया। साथ ही बताया कि, प्रधानमंत्री आवास के जो पात्र थे उनको आपात्र किया गया एवं पेंशन व अन्य समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने अपनी बात को रखा। उनकी समस्याओं को हल कराने के प्रयास में मुख्य रूप से राजा शब्बीर हुसैन उपस्थित हुए, जिनके द्वारा सचिव सुनील भारती के खिलाफ कालापीपल जनपद सीईओ को 16 बिंदु बनाकर ज्ञापन दिया गया था। 3 महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं और सचिव सुनील भारती के कारनामे कई बार मीडिया की सुर्खियो मे बने रहे। जिसके बाद भी जनपद सीईओ द्वारा सचिव व रोजगार सहायक पर कोई कार्रवाई न करना सीईओ को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है।

कैरियर गाइडेंस सह काउंसलिंग का कार्यशाला का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

बुधवार को ग्लोबल अपॉर्चुनिटी यूथ नेटवर्क बड़वानी के तहत ट्रांसफॉर्म रूलर इंडिया फाउंडेशन एवं हेड हेल्ड हाई संस्थान के द्वारा कैरियर गाइडेंस सह काउंसलिंग का कार्यशाला आईटीआई बड़वानी में संपन्न किया गया। इस बैठक में बड़वानी जिले के सभी आईटीआई, पॉलीटेक्निक एवं पीजी कॉलेज के प्रधानाध्यापक/प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में कैरियर गाइडेंस काउंसलिंग सत्र शुरू करना हैं। ट्राईफ संस्था तथा हेड हेल्ड हाई संस्था के प्रतिनिधि द्वारा पूरे प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया गया और कैसे यह प्रोग्राम शुरू कर सकते हैं इसका योजना बनाया गया। ट्राईफ संस्था इस कार्य के लिए 2 कैरियर कोच बहाल की हैं और हेड हेल्ड हाई संस्था तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। फ्यूचर रेडी गाईड, मेक इंडिया कैपेबल, अन्तर प्रेरणा, सोशल सेक्युरिटी स्कीम, इकोनॉमी रेजिलीयस इत्यादि परियोजना पर भी चर्चा की गई।

बेबाकी के साथ..सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, बरवेट, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा), सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

खरीफ फसलो में एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन पर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

आंकाक्षी जिला किसान हब बॉयोटेक परियोजनान्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी के द्वारा खरीफ फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एसके बड़ोदिया के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में आयोजित किया गया। इस ऑन/ऑफ लाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बड़ोदिया द्वारा उपस्थित कृषकों को वर्तमान में वर्षा की संभावनाओं एवं जलवायू परिवर्तन से होने वाले प्रभावों की जानकारी देकर खरीफ फसलों में नाशीजीव प्रबंधन विषय की संक्षिप्त जानकारी एंव जल संरक्षण हेतु आधुनिक ड्रिप सिचांई फर्टिगेषन तकनीकी का उपयोग करने की बात कही।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केन्द्र नई दिल्ली से प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मुकेश सहगल ऑन लाईन गुगल मीट के माध्यम से जुड़कर खरीफ में कपास, सोयाबीन एवं मक्का फसल में नाशीजीव कीट प्रबंधन हेतु अच्छी किस्म के बीजों का प्रयोग, बीजोपचार कर बुवाई करने की बात कही। कपास/सोयाबीन फसल में बीजोचार हेतु जैव उर्वरकों राइजोबियम कल्चर, ट्राइकोडर्मा विरडी का प्रयोग एवं नाषीजीव प्रबंधन हेतु प्रक्षेत्र पर 2-4 फेरोमेन ट्रेप प्रति एकड लगाने की बात कही। जिससे कीट-व्याधी के प्रकोप से फसल सुरक्षित रहती है। इसके साथ ही साथ बुवाई करते समय पौध से पौध की निश्चित दुरी पर बुवाई करने को कहा। कृषकों को कपास/सोयाबीन की फसल में लगने वाले पत्ती धब्बा व झुलसा रोगों व अन्य कीटों/रोगों से बचाव हेतु जैविक एवं रासायनिक दवाओं के अनुर्पसित मात्रा के प्रयोग एवं कृषि के मित्र कीटों के संरक्षण हेतु भी जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक रविन्द्र सिकरवार द्वारा वर्तमान में जलवायु परिवर्तन आधारित कृषि हेतु केन्द्र की इकाई से जुड़ने की बात कही व समय-समय पर केन्द्र द्वारा जारी कृषि सलाह की जानकारी दी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन में तकनीकी रूप से सहयोग केन्द्र के तकनीकी अधिकारी उदयसिहं अवास्या एवं रंजीत बारा कार्यालय अधीक्षक सह लेखापॉल द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के लगभग 50 कृषकों/महिला कृषकों ने भागीदारी की।

वर्षा की खेंच से कृषक परेशान, फसलें खराब होने की आशंका

बिजली मोटर खरीदने, मरम्मत कराने तथा सिंचाई करने में जुटे कृषक

माही की गूंज, आम्बुआ। जगराम विश्वकर्मा

आम्बुआ तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में विगत एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण खेतों में खड़ी फसले खराब होने की आशंका बढ़ रही है। चिंतित कृषण भगवान से मनौती मांग रहे हैं, जिनके कुओं तथा ट्यूबवैलों में थोड़ा सा पानी है वह सिंचाई करने में जुटे हैं। कई कृषक नई विद्युत मोटरें खरीद रहे हैं तो कुछ बंद बड़ी मोटरों की मरम्मत करा रहे हैं ताकि सिंचाई कर सके।

ग्रामीण क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार हमारे प्रतिनिधि ने आम्बुआ के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र अडवाड़ा, झौरा, कोटबू, कुण्ड, वड़ी, चिचलाना, हरदासपुर, भोरदू, बोरझाड़, मोटाउमर आदि ग्रामों में जाकर स्थिति देखी तो कृषकों ने बताया कि, बारिश नहीं होने से जमीन में नमी समाप्त होती जा रही है खेत सूख रहे हैं। जिस कारण उड़द, मक्का, मूंग, बाजरा, सोयाबीन, मूंगफली, कपास, ज्वार आदि फसले मुरझाने लगी है। यदि दो-चार दिन में वर्षा नहीं होती है तो फसले खराब हो जाएगी। अडवाड़ा के कृषक नारायण सिंह, मुकाम सिंह, कोटबू सरपंच पप्पू सिंह, कुण्ड के रामसिंह, छगनसिंह तथा ग्राम बड़ी के पटेल राजू, पनवानी के मूलसिंह, चिचलाना के रूपसिंह, भोरदू के कमलसिंह, बोरझाड़ के राजेंद्रसिंह राठौर, मोटाउमर के अमरसिंह डुडवे तथा देकालकुआ के विक्रमसिंह, बावड़ी के डुडिया भाई, जुवारी के विजयसिंह आदि ने बताया कि, नदी नालों में पानी नहीं है। कुछ कृषकों के कुओं तथा ट्यूबवैलों में थोड़ा सा पानी है जिससे सिंचाई कर कपास तथा मक्का की फसल बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि दो-चार दिनों में बारिश नहीं होती है तो फसले चौपट होकर कृषक भी चौखट हो जाने की संभावना है। महंगा खाद्य बीज तथा मेहनत सब बेकार हो जाएगा। क्षेत्र में अभी तक फसलों की स्थिति बहुत अच्छी मानी जा रही थी मगर अब धीरे-धीरे स्थिति खराब होने की और अग्रसर हो रही है। सहकारी संस्थाओं, बैंकों तथा साहूकारों से लिया गया कर्ज चुकाना तथा परिवार का भरण पोषण कैसे होगा...?

इनका कहना है

वहीं सुश्री रंजना सोलंकी कृषि विभाग आम्बुआ का कहना है कि, सर्वे के निर्देश हुए हैं सर्वे करना है इसके बाद रिपोर्ट प्रशासन को देंगे।

हल्का पटवारी जितेंद्रसिंह डुडवे ने बताया कि, हमारी अभी हड़ताल चल रही है शासन ध्यान नहीं दे रहा है। हड़ताल के बाद फसलों का सर्वे होना है फसले खराब हो रही है पानी की सख्त जरूरत है।

मेकेनिक शब्बीर खान ने बताया कि, कृषक पुरानी बंद पड़ी विद्युत मोटरों तथा पंपों की मरम्मत कराने आ रहे हैं ताकि सुखती फसलो में सिंचाई की जा सके।

पेसा एक्ट का सेक्टर स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

मध्य प्रदेश जन अभियान के माध्यम से मध्य प्रदेश पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम 2022 का सेक्टर स्तर का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आम्बुआ पंचायत सभागार में संपन्न हुआ। जनपद पंचायत अलीराजपुर के सीईओ गोपाल शरण प्रजापत के मार्गदर्शन में आम्बुआ पंचायत सभागार में पैसा एक्ट अधिनियम का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत आम्बुआ के सरपंच रमेश रावत एवं उपसरपंच थानसिंह भयडिया द्वारा विद्या की देवी माता सरस्वती, धन की मां माता लक्ष्मी तथा बुद्धि के देवता प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की तस्वीर पर माल्यार्पण पूजा अर्चना कर किया गया। इसमें 11 पंचायत के 18 गांव के सचिव, रोजगार सहायक, मोबिलाइज पटेल, पुजारा, चौकीदार, जनप्रतिनिधि ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सूत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि सरपंच रमेश रावत की अध्यक्षता में मास्टर ट्रेनर मोहन सिंह जमरा, इंदर सिंह मौर्य पीसीओ ब्लॉक समन्वयक पैसा, कैलाश जमरा, जगदीश रावत, नवांकुर संस्था श्रीमती सीमा निगवाल सामाजिक कार्यकर्ता आदि के माध्यम से पैसा कानून को जमीनी स्तर पर कैसे लागू किया जाए व पैसा एक्ट के अंतर्गत दिए गए अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

नवीन ग्राम सभा का गठन

नवीन ग्राम सभा गठन हेतु ग्रामीण क्षेत्र भीलवट देवता प्रांगण में भी एक सभा आयोजित की गई। जहां पर नवीन ग्राम सभा गठन हेतु नजरिया नक्शा के माध्यम से सभी प्रशिक्षणार्थी द्वारा स्थानीय ग्रामीण जनों के साथ मिलकर नवीन ग्राम सभा का नजरिया नक्शा तैयार किया गया है तथा यहां पर कार्यक्रम का समापन किया गया। अंत में आभार आम्बुआ पंचायत सचिव नवल सिंह डुडवे ने माना। उक्त समस्त जानकारी सेक्टर प्रभारी सुश्री रश्मि देवड़ा द्वारा प्रदान की गई।

शिक्षक दिवस पर विभिन्न संस्थाओं व कार्यालय में जाकर प्रांतीय शिक्षक संघ ने शिक्षकों को दी बधाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रांतीय शिक्षक संघ ने अलीराजपुर जिले के सोंडवा विकासखंड में विभिन्न संस्थाओं एवं कार्यालय में जाकर शिक्षकों एवं कर्मचारियों पुष्प कुछ प्रदान कर व मुंह मीठा कर शिक्षक दिवस की बधाई देकर शिक्षक दिवस मनाया। संघ के जिलाअध्यक्ष राजेश आर वाघेला, प्रांतीय शिक्षक संघ महिला इकाई ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती ललिता सोलंकी, कलसिंह डावर, सुरला चौहान ने खंड शिक्षा कार्यालय सोंडवा, बीआरसी कार्यालय सोंडवा, हायर सेकेंडरी स्कूल सोंडवा, कन्या माध्यमिक विद्यालय सोंडवा, बालक माध्यमिक विद्यालय सोंडवा, कन्या प्राथमिक विद्यालय सोंडवा सहित अन्य संस्थाओं में जाकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई व शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष वाघेला ने देशवासियों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, शिक्षक राष्ट्र निर्माता था, राष्ट्र निर्माता है और राष्ट्र निर्माता रहेगा क्योंकि शिक्षक मे यह विशेषता है की विभिन्न दायित्व को निभाने के साथ-साथ अपने शिक्षा के दायित्व को भी पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से निभाता है, छात्रों के जीवन को प्रकाशमय करता है। उसी का परिणाम है, विगत वर्षों में जिले में शिक्षा का स्तर बहुत सुधरा है और भविष्य में भी विकासखंड सहित अलीराजपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएगा।

इस अवसर पर सुंदरसिंह खरत, पानसिंह मौर्य, डूंगरसिंह डावर, अंतर कनेश, वरदू सस्तिया, सीमा खरत, गीता जमरा, खुमानसिंह मण्डलोई, सुरेश अवास्या, कांतिलाल ठकराला, वालसिह खरत, बहादुर चमेलका, चंदरसिंह चौहान, विक्रम सस्तिया आदी उपस्थित रह थे।

शिक्षक दिवस पर जनसुनवाई का हुआ आयोजन

माही की गूंज, मंदसौर। मंदसौर नगर अध्यक्ष कविता नरेंद्र यादव ने शिक्षक दिवस के अवसर पर वार्ड नंबर 9 एवं 10 में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सर्वप्रथम कविता नरेंद्र यादव ने भारत रत्न सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। जिसके बाद जनसुनवाई का कार्यक्रम शुरू किया गया।

नगर में अनोखा प्रयास

बता दें कि, यह अपने आप में एक अनोखा प्रयास है, जब कोई जनप्रतिनिधि जनता की सुनवाई के लिए स्वयं नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ उनके घर तक पहुंच रहा है। इस दौरान साफ-सफाई, पानी और अन्य व्यवस्थाओं को देखकर अध्यक्ष ने संतोष व्यक्त किया। कुछ लोगों ने अपनी राशन कार्ड एवं बुजुर्ग पेंशन को लेकर अध्यक्ष को अपनी समस्या बताई। जिसे नगर कर्मचारियों ने तुरंत संज्ञान में लेकर उसका निराकरण करने का प्रयास किया। वहीं, जनता ने हाथ जोड़कर नगर अध्यक्ष का अभिवादन किया।

वार्ड वासी अभिवक्ता राजेश राठौर ने नगर में व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया एवं जल व्यवस्था को लेकर प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि गोपाल जोशी, वार्ड 10 के पार्षद प्रतिनिधि नवीन फरक्या, जलकर सभापति बंटी अश्क सीएमओ सुरेश यादव, विशाल शर्मा, सुरेश चौधरी, समद, दांनगढ़ स्वच्छता प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय, गौरव काला, जानकी पांडे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित नगर परिषद के कर्मचारी एवं कई समाजसेवी नागरिक उपस्थित रहे।

बाल शिव भक्तों ने भोलेनाथ को बांधे रक्षा सूत्र

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में कार्यरत बाल शिव भक्त मंडल द्वारा भादो मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि के शुभ अवसर पर भगवान भोलेनाथ को रक्षा सूत्र बांधकर संपूर्ण क्षेत्र की रक्षा करने की प्रार्थना की।

बाल शिव भक्त मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार आम्बुआ शिवालय में पूजा अर्चना आरती करने वाले बाल शिव भक्त मंडल ने के नन्हे-मुन्नों ने भूत भावन त्रिकालदर्शी उमापति महादेव को भादो मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रक्षा सूत्र बांधे। उसके पूर्व भोलेनाथ का आकर्षक श्रंगार किया तथा आरती की रक्षा सूत्र बांधकर सभी ने भोले शंकर से क्षेत्र की, परिवार की तथा बाल शिव भक्त मंडल की रक्षा करने हेतु प्रार्थना की।

स्मरण रहे कि, प्रसिद्ध शिव पुराण प्रवक्ता पूज्य गुरुदेव पंडित श्री प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले की सद्प्रेरणा से गठित बाल शिव भक्त मंडल आम्बुआ शिव आराधना के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक तथा जनहित में सामाजिक कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। लगभग 4 वर्ष से 15 वर्ष आयु वर्ग के शिव भक्तों के कार्यों की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

आदिवासी समाज के बच्चों में शिक्षा की अलख जगाना ही संगठन का प्रमुख उद्देश्य- शंकर बामनिया

शिक्षक दिवस के अवसर पर निःशुल्क टंट्या भील कोचिंग संस्थान का किया शुभारंभ

माही की गूंज, जोबट।

आदिवासी समाज के बच्चो मे शिक्षा की अलख जगाने के लिए जिले के सामाजिक संगठन भील सेना ने जिले के जोबट मे टंट्या भील के नाम से निःशुल्क कोचिंग सेटर का शुभारंभ किया। जहां कक्षा 9वी से लेकर 12वी तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क मे पढ़ाया जाएगा। संगठन के संस्थापक शंकर बामनिया, प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल, जिलाध्यक्ष चतरसिंह मंडलोई ने इस कोचिंग संस्थान का विधिवत रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हूए भील सेना संगठन के जिलाध्यक्ष चतरसिंह मंडलोई ने बताया कि, आदिवासी समाज के विद्यार्थियों को पढाई मे कोई दिक्कत न आए इसलिए शिक्षा के अभाव मे हमारा अनपढ़ समाज इस ओर ध्यान नही दे पा रहा है जिसका फायदा कूछ लोग उठा रहे है। इस जिले मे आदिवासी समाज के बच्चो मे बेटीयो मे शिक्षा की अलख जगाने ओर उनको शिक्षित करने के लिए हमारे भील सेना संगठन के लोगो लिख कर डॉक्टर, शिक्षक, पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर बने और अपने माता-पिता व परिवार के साथ आदिवासी बाहुल्य जिले का नाम रोशन करे।

आदिवासी समाज मे शिक्षा की अलख जगाना प्रमुख उद्देश्य

कार्यक्रम को संबोधित करते हूए भील सेना संगठन संस्थापक शंकर बामनिया ने कहा कि, इस पूरे मध्यप्रदेश में हमारे जिले के शिक्षा का स्तर बहुत खराब है। जिसका प्रमुख कारण जिले मे व्याप्त भ्रष्टाचार है। ने निर्णय लिया है। पहले हम जोबट मे एक निःशुल्क कोचिंग सेंटर खोल रहे है जहा ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता गरीब है जो बच्चो को ट्यूशन नही भेज सकते ऐसे बच्चो को अनूभवी शिक्षको के द्वारा निःशुल्क मे पढाया जाएगा। जिससे बच्चे पढ सके ओर शिक्षा के प्रति जागरूक हो सके।

कार्यक्रम को नारी शक्ति प्रदेश प्रभारी एडवोकेट सुश्री प्रियंका डामोर, जिलाध्यक्ष चतरसिंह मंडलोई, प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र डावर ने किया और आभार हिरेसिह निनामा ने माना। इस दौरान भील सेना संगठन जोबट ब्लॉक अध्यक्ष सुनील मेहडा, यूवक ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप मेहडा, नगर अध्यक्ष दिलीप कटारीया, उपाध्यक्ष राजेश कटारा, आईटीसेल जिला उपाध्यक्ष राजेश भूरिया, सूनिल मेहडा, अतिम कटारिया, प्रकाश चोहान, सजय भूरिया, ब्लाक अध्यक्ष अलीराजपुर कलमसिह बघेल, सूरा मेहडा, धर्मेंद्र अजनार, उदयगढ ब्लॉक अध्यक्ष रवि भूरिया, झाबुआ जिला उपाध्यक्ष राजू मेहडा, कनवाडा जालमसिंह मेहडा, भोला कटारिया, श्यामू रावत, सूभानसिह बघेल, धर्मेंद्र भूरिया, राजेश मण्डलोई सहीत कई छात्र-छात्राए मौजूद रहे।

प्राकृतिक आपदा के साथ अनियमित विद्युत प्रदाय की समस्या झेल रहे किसान, सौपा ज्ञापन

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

प्राकृतिक आपदा झेल रहे किसानों को नियमित विद्युत प्रदाय करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम राठौड़ व अलीराजपुर नगर पालिका अध्यक्ष सेना पटेल के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर, एसडीएम के नाम तहसीलदार जितेंद्र तोमर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि, वर्तमान में क्षेत्र किसानों द्वारा अपनी फसले बोने के बाद अब आधी फसल तैयार है। वर्तमान में बारीश न होने के कारण उक्त फसलें बर्बाद होने की कगार पर है व समस्त किसान प्राकृतिक आपदा झेल रहे है। क्षेत्रिय किसानों के द्वारा लगातार शिकायत प्राप्त हो रही है कि उन्हें नियमित विद्युत प्रदाय नहीं दी जा रही है साथ ही वोल्टेज की समस्या लगातार बनी हुई है। जिससे फसलों को पानी देने में काफी परेशानी झेलना पड़ रही है। किसानों की उक्त विद्युत समस्या को देखते हुए जरूरी है की विद्युत प्रदाय नियमित होने के साथ आवश्यक वोल्टेज सुचारू रूप से प्राप्त हो ताकी क्षेत्र के किसान अपनी फसलो को नियमित पानी दे सके ।

ज्ञापन में सड़कों की स्थिति से भी अवगत कराया। मुख्य मार्ग से गांव को जोड़ने वाली अधिकांश सडके भी जर्जर अवस्था में है जिससे ग्रामीण जनों को आवाजाही में परेशानीयां उठानी पड़ रही है एवं शासकिय सेवाएं जैसे जननी एक्सप्रेस, 108 वाहन आदी समय पर पहुंच नहीं पाती है। अतः इस प्रकार की समस्त सड़कों को चिन्हीत कर उन्हें तत्काल दुरूस्त किया जावे। आम्बुआ से आजाद नगर भाबरा की मुख्य सड़क नेशनल हाइवे की भी कई जगह से जर्जर अवस्था में है साथ ही रोड के दोनों किनारों पर एक-एक फिट के गढ्ढे होने से आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है अतः उक्त सडक को दुरूस्त कर आस पास रोड़ की साइड पट्टी का समतलीय करण किया जावे। कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर समस्या का समाधान तत्काल नहीं किया तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। ज्ञापन देते समय मो. लईक, हरिश भाबर, नेपालसिंह परमार, राजेश जैन, अश्वीन चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा।

मालू-वालु के बीच टिकिट को लेकर घमासान, दो मजबूत दावेदारों के बीच उलझी कांग्रेस की टिकिट

दोनों ओर से मीडिया ट्रायल और शक्ति प्रदर्शन में टिकिट साधने की कोशिश, जयस को साधने की कड़ी चुनौती

कांग्रेस की टिकिट के बाद ही तय होंगे विधानसभा के नए समीकरण, जयस की जिले की एक विधानसभा से टिकिट की मांग

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए पेटलावद विधायक में अभी से घमासान मचा हुआ है। भाजपा ने भले ही अपने पत्ते खोल दिये, जयस के एक धड़े की और भी अपना प्रत्याशी मैदान में उतार कर प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया, लेकिन कांग्रेस अभी भी प्रत्याशी को लेकर किसी निर्णय पर पहुचती नही दिख रही। मालू-वालु मतलब मालू अकमाल डामोर जिला पंचायत उपाध्यक्ष और वर्तमान विधायक वालसिंग मेड़ा के बीच टिकिट को लेकर घमासान मचा हुआ है। दोनों और से सक्रियता साफ देखी जा रही है, धार्मिक आयोजन हो या पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात दोनों और से तू डाल-डाल तो में पात-पात की स्थिति बनी हुई है। इधर कांग्रेस के सामने जयस की साधने की बड़ी चुनोती खड़ी है। जयस का एक धड़ा मैदान में उतर चुका है तो दूसरा जिले की एक विधानसभा सीट जिसमे पेटलावद मुख्य है पर जयस समर्थित नेता के लिए टिकिट की मांग कर रहा है।

दोनों और से जारी है शक्ति प्रदर्शन ,पोस्टर-बैनर से लेकर मिडिया ट्रायल

विधायक मेड़ा और मालू डामर दोनों ही टिकिट के लिए प्रयासरत हैं। जिसके लिए शक्ति प्रदर्शन दोनों और से किया जा रहा है। क्या दिल्ली, क्या भोपाल और क्या कांग्रेस के बड़े नेता सभी जगहों पर उपस्थित के साथ शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। क्षेत्र में होने वाले तीज त्यौहार सहित धार्मिक आयोजनो के लिए बैनर-पोस्टर और स्वागत मंच लगाए जा रहे हैं। मीडिया में दोनों दावेदार बने हुए है और लगातार मीडिया की सुर्खियों में रह कर अपनी टिकिट का दावा पुख्ता कर रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य मालू अकमाल डामर।

मालू के निर्दलीय लड़ने की चर्चा...?

जिला पंचायत में कांग्रेस की पैनल बिठाने में अहम भूमिका निभाने वाले लगातार तीसरी बार जिला पंचायत सदस्य मालू डामोर के सामने भाजपा और कांग्रेस दोनों की और से अच्छे ऑफर थे लेकिन मालू ने भाजपा के सामने विधानसभा में टिकिट की मांग रखी थी जिसे भाजपा ने नकार दिया लेकिन कांग्रेस ने मालू के इस ऑफर को नकारा नही ओर क्षेत्र में मेहनत और सर्वे में नाम आने पर टिकिट देने का वादा किया गया था। जिसके बाद से मालू पेटलावद विकास खण्ड में लगातार मेहनत करते हुए कांग्रेस सहित अलग-अलग एजेंसीयो के सर्वे में प्रबल दावेदार बनकर सामने आये। उधर वर्तमान विधायक वालसिंग मेड़ा ने स्थानीय चुनाव में अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी करते हुए कांग्रेस के ही कार्यकर्ताओ को चुनाव हरवाने की जो गलती की वो अब उनको भारी पड़ने लगी है। तीन बार चुनाव मैदान में उतर चुके वालसिंग को पहली बार टिकिट के लिए इतनी मशक्कत करनी पड़ रही हैं। स्थानीय चुनाव में वालसिंग की भूमिका के चलते ही मालू की पेटलावद विकास खण्ड में हाथों हाथ समर्थन मिल गया। वर्तमान विधायक को अगर कांग्रेस फिर से मैदान में उतारती तो मालू निर्दलीय मैदान में उतरेगे की नही इसकी चर्चा बनी हुई है क्योंकि उनकी तैयारी कांग्रेस से टिकिट नही मिलने पर भी मैदान में उतरने की दिख रही है।

विधायक वालसिंग मैडा।

कांग्रेस प्रत्याशी तय होने के बाद ही बनेगे हार-जीत के समीकरण, जयस को साधना कांग्रेस के लिए जरूरी

भाजपा प्रत्याशी निर्मला भूरिया के मैदान में उतरने के बाद अभी उनके पक्ष में कोई माहौल बनता नही दिख रहा है। निर्मला भूरिया ओर भाजपा की हार-जीत के समीकरण कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित होने के बाद ही बनेंगे। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि, वालसिंग मेड़ा के टिकिट होने से भाजपा को फायदा होगा जबकि मालू डामर के टिकिट के बाद विधानसभा के समीकरण भारी बदलाव आना तय है जो कही न कही भाजपा के लिए मुश्किल चुनोती बन सकता है। कांग्रेस की और से पिछले कई चुनावों से टिकिट का दावा कर चुके दावेदार भी एक मत होकर हॉइ कमांड से नये चेहरे में किसी एक को टिकिट की मांग कर चुके है। कांग्रेस के टिकिट के बाद ही जयस संगठन की चुनाव में क्या उपस्थित होगी ये भी साफ होगा। वालसिंग मेड़ा को टिकिट होने पर जयस का प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में होगा या भारत आदिवासी पार्टी से तैयारी में लगी टीम के साथ जा सकती है।

जिले की एक सीट पर जयस को टिकिट देने की मांग

जयस के राष्ट्रीय सरंक्षक हीरालाल अलावा की राह पर चलते हुए जयस के पदाधिकारियों ने कांग्रेस के बड़े नेताओ से मुलाकात कर जिले की तीन विधानसभा सीटों में से एक पर जयस के नेता की टिकिट की मांग की है। विगत दिनों जय आदिवासी युवा शक्ति के पदाधिकारी झाबुआ-अलीराजपुर प्रभारी संजय दत्त और युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया से मुलाकात की और तीनों विधानसभा में एक विधानसभा सीट पर जयस समर्थित उम्मीद्वार को कांग्रेस अपना प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की। जिला प्रभारी प्रकाश डामोर ने बताया कि, जयस कांग्रेस के साथ जब ही जाएगी जब कांग्रेस जयस समर्थित नेता को कांग्रेस से टिकिट दे और यही मांग कांग्रेस के बड़े नेताओं के सामने रखी है। चुनाव मैदान में उतरने से पहले कांग्रेस के सामने टिकिट को लेकर बड़ी चुनौती है, कांग्रेस को न केवल टिकिट देना है बल्कि खेमों में बटी कांग्रेस को पटरी पर लाना भी बड़ी चुनौती रहेगी।

क्या स्कूलें बंद कर के सुधारेंगे शिक्षा का स्तर...?

शिक्षकों को कोई भय नहीं नतीजन स्कूल बंद कर हो जाते हैं रफू चक्कर, कार्रवाई के नाम पर अधिकारी नोटिस-नोटिस का खेलते हैं खेल

अमरगढ़ टेकरी।

सातेर

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

जहां एक तरफ डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मोत्सव पर शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर शिक्षक दिवस के पखवाड़े के दौरान अपनी मनमानी के साथ शिक्षक, स्कूल बंद कर रफू चक्कर होकर देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई चूक नहीं कर रहे हैं। अधिकारी भी शिकायतों के बाद स्कूलों पर पहुंच रहे हैं और उन्हें भी शिकायतें सही पाई जाती है और स्कूले बंद मिलती है। उसके बाद भी अधिकारी नोटिस-नोटिस का खेल खेलकर लोगों को गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

मामला: पेटलावद विकासखंड में इस तरह से सामने आया है। ग्राम सातेर में शिकायत के बाद बीआरसी एवं टीम पहुंची तो सातेर मिडिल स्कूल पर ताले लगे हुए होकर बंद मिली। इसी तरह अमरगढ़ टेकरी की स्कूल भी अधिकांश दिनों तक बंद रहती है की शिकायत भी है। इसी प्रकार दुलाखेड़ी की स्कूल भी बंद मिली। इसी तरह क्षेत्र की कई स्कूले अधिकारियों को चश्मदीद बंद मिलने के बाद भी त्वरित कोई कार्रवाई नहीं किया जाना ही यह सोचने को मजबूर करती है, आखिर यह जवाबदार शिक्षा के स्तर को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं..? पता नहीं।

वही खंड स्तर के अधिकारी सोशल मीडिया पर मैसेज और रुबरू मिलने पर भी यह कहना कि, नोटिस दिया है और नोटिस का सही जवाब नहीं आता है तो कार्रवाई करेंगे। सही जवाब का अर्थ क्या है यह तो अधिकारी ही जाने लेकिन संबंधित शिक्षक छुट्टी पर होता तो उसकी छुट्टी की एप्लीकेशन संबंधित अधिकारी के पास ही सबमिट होती या फिर किसी शासकीय कार्य से स्कूली समय में शिक्षक को कही जाना होता तो यह संबंधित अधिकारी ही उन्हें निर्देशित करते। वहीं अगर स्कूल बंद करके ही कहीं जाना अत्यधिक आवश्यक था तो ऐसे में भी स्कूल बंद करने की लिखित जानकारी हर विभाग के अपने व्हाट्सएप ग्रुप सोशल मीडिया पर बना रखे हैं, जिसमें भी यदि कोई उचित जानकारी स्कूल बंद कर जाने वाले शिक्षक ने पोस्ट की होती तो वह भी संबंधित अधिकारी की जानकारी में अवश्य रहता लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। जिसके बावजूद अधिकारी नोटिस-नोटिस का खेल खेलकर अपनी निजी स्वार्थ पूर्ति पूरी कर मामले को रफा-दफा करने के प्रयास में रहते हैं। ऐसे में शिक्षा का स्तर किस दिशा में जाएगा यह तो राम ही जाने...?

मेघनगर में माही की गूंज
हेतु समाचार व विज्ञापन के लिए संपर्क करे।
इमरान शेख, मो.न. 9753379567

कल्याणपुरा में माही की गूंज
हेतु समाचार व विज्ञापन के लिए संपर्क करे।
ओमप्रकाश राठौर, मो.न. 930388101

सोशल मीडिया पर दावेदार जता रहे दावेदारी

माही की गूंज, खवासा।

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफार्म है और आगामी विधानसभा चुनाव में दोनों ही प्रमुख दलों के साथ अन्य उम्मीद्वार जो अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं वो खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं। जहां तक कांग्रेस का सवाल है वर्तमान विधायक वीरसिंह भूरिया के साथ अन्य दावेदार भी अपनी दावेदारी पेश जरूर कर रहे हैं लेकिन उनका दावा उतना मजबूत नहीं है। भाजपा की ओर से पूर्व विधायक कलसिंह भाभर के साथ ही लगभग आधा दर्जन उम्मीद्वार ने अपनी दावेदारी पेश की है वही इस थांदला विधानसभा से सासंद गुमानसिंह डामोर भी अपनी दावेदारी की जुगत में है। भाजपा ने पिछले चुनाव में हारी हुई सीटों में से 39 पर अपने उम्मीद्वार घोषित कर दिए हैं लेकिन थांदला सीट जिस पर पिछले चुनाव में भाजपा उम्मीद्वार कलसिंह भाभर की 32 हज़ार से अधिक वोटो से हार हुई थी उस पर अभी तक टिकट को लेकर मंथन जारी है। जिससे दावेदारो की धड़कन बड़ी हुई है।

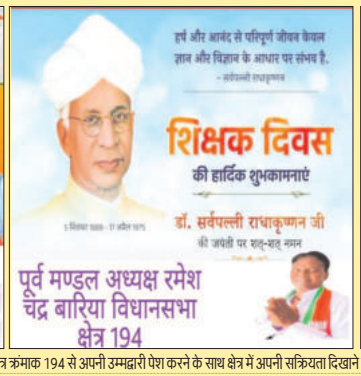

रमेश बारिया थांदला विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 194 से अपनी उम्मद्वारी पेश करने के साथ क्षेत्र में अपनी सक्रियता दिखाने के साथ सोशल मिडीया पर भी अपनी सक्रियता दिखाकर आम लोग से जुड़ रहे है।

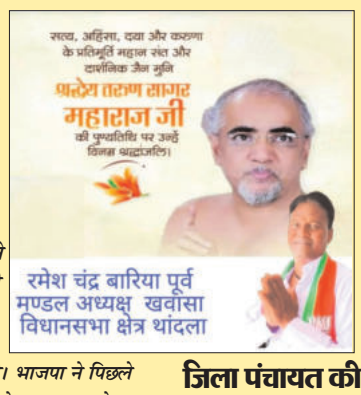

जिला पंचायत की हार से अटक सकता है पूर्व विधायक का टिकट

राजनीतिक गलियारों की चर्चा के अनुसार भाजपा का शीर्ष नेतृत्व गहन मंथन कर रहा है और हर पहलू का विश्लेषण किया जा रहा है। निःसंदेह थांदला के पूर्व विधायक कलसिंह भाभर भाजपा की राजनीति में एक बड़ा नाम है और भाजपा प्रदेश संगठन ने उन्हें अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप रखी है। लेकिन कलसिंह भाभर अपने विधानसभा क्षेत्र में ही जिला पंचायत की पांच सीट में से एक भी सीट नहीं दिला पाए है। यही नहीं एक सदस्य द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद हुए उपचुनाव में भी भाजपा को यहां हार का मुंह देखना पड़ा था और इसी कारण से कलसिंह भाभर की दावेदारी कमजोर पड़ती नजर आ रही है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि, अगर भाजपा का जिला पंचायत चुनाव में अच्छा प्रदर्शन रहता तो उसका ज्यादा श्रेय कलसिंह भाभर को ही मिलता और उनका टिकट भी भाजपा की पहली सूची में शामिल हो जाता। लेकिन वर्तमान पस्थिति में भाजपा बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है।

रमेश बारिया का नाम तेजी से उभरा

टिकट के दावेदारों की सूची लंबी है, लेकिन इन सब के बीच एक नाम तेजी से उभर रहा है वो खवासा क्षेत्र के रमेश बारिया का। बारिया ग्राम पंचायत खवासा के सरपंच रह चुके है। भाजपा के मंडल अध्यक्ष भी रह चुके हैं और जैसे ही थांदला का टिकट होल्ड पर रखा गया वैसे ही वो न केवल सोशल मीडिया बल्कि क्षेत्र में खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं। कलसिंह के अलावा अन्य दावेदारों का विश्लेषण कर रही है। यही नहीं पार्टी, कलसिंह भाभर को भी नाराज नहीं करना चाह रही है शायद कोई विभिन्न अवसरों पर पार्टी के मंच पर उनकी उपस्थिति प्रभावी रही। यही नहीं जब गुजरात के विधायक क्षेत्र के दौरे पर आए तो उन्होंने सक्रियता दिखाते हुए जयस और कांग्रेस के कुछ युवाओं को भाजपा में जॉइनिंग भी कराया। तथा सोशल मिडीया पर भी पुरे दमखम के साथ अपनी सक्रियता दिखाते हुए रमेश बारिया सभी तीज त्यौहारो की बधाई व शुभकामनाए थांदला विधानसभा क्षेत्र की और से दे रहे है। तथा प्रदेश स्तरीय भाजपा की कार्य योजना व जन आर्शिवाद यात्रा का प्रचार-प्रसार भी सोशल मिडीया पर कर रहे है।

वहीं क्षेत्रवासियों का कहना है खवासा को पिछले 50 वर्षों से प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। वही दोनों ही प्रमुख दलों ने अभी तक क्षेत्र के किसी व्यक्ति को अपना उम्मीद्वार तक नहीं बनाया है। ऐसे में अगर भाजपा बारिया को टिकट देती है तो यह क्षेत्र के लिए गौरव की बात होगी और क्षेत्रवासी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर भी व्यक्ति विशेष के लिए वोट कर सकते हैं।

वहीं निर्दलीय और जयस के दावेदार भी फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं, ऐसे में कौन-कौन अपनी दावेदारी पेश करेगा यह तो भविष्य के गर्भ में ही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422